दैनिक शुभ भास्कर

उप्र व मप्र से प्रकाशित

हर कदम आपके साथ......

e-mail dailyshubhbhaskar@gmail.com
RNI. N. UPHIN/2015/64737

वर्ष - 13 अंक- 136 | झांसी 20/मंगलवार /अप्रेल/2021 | पृष्ठ -8 मुल्य -3 रूपये

संक्षेप में...

अस्पताल कोविड मरीजों का शव सुरक्षित रखने अब नहीं लेंगे रुपए

रायपुर। प्रदेश के निजी अस्पताल कोरोना से मरीज की मौत के बाद शव को सुरक्षित रखने के लिये अब मरीज के परिजनों से कोई पैसा नहीं लेंगे। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन और हास्पिटल बोर्ड ने आज इसका फैसला किया है। स्वास्थ्य विभाग ने कोरोना मरीजों के शव को सुरक्षित रखने के लिये अधिकतम 2500 रुपए लेने की अनुमति दी थी। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. महेश सिन्हा ने बताया, स्वास्थ्य विभाग ने निजी अस्पतालों को कोरोना संक्रमित मरीज की मृत्यु की स्थिति में शव को सुरक्षित बैग में रखने के लिए 2500 रुपए लेने की अनुमति दी थी। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन और हॉस्पिटल बोर्ड के सामने यह राशि भी नहीं लेने का प्रस्ताव रखा गया था। उसे सभी ने स्वीकार कर लिया है। अब से कोई निजी अस्पताल मरीज की मृत्यु के बाद उसके परिजनों से यह रकम नहीं लेगा। स्वास्थ्य विभाग ने दिसम्बर 2020 में कोरोना मरीजों की मौत के बाद शव के हैंडलिंग, स्टोरेज और मैनेजमेंट के लिये अधिकतम 2500 रुपये ही लेने का आदेश जारी किया था। स्वास्थ्य विभाग का कहना था, बार-बार शिकायत मिल रही थी कि निजी अस्पताल मृतक के परिजनों से अधिक राशि ले रहे

मनाली-लेह मार्ग बंद, पांच फीट बर्फबारी

कुल्लू। मनाली-लेह मार्ग पर 24 घंटे के लिए वाहनों की आवाजाही फिर बंद रहेगी। शनिवार रात को बारालाचा में पांच फीट ताजा बर्फबारी रिकॉर्ड की गई है। जिसके चलते दारचा और बारालाचा में फंसे 150 ट्रक चालकों की मुश्किलें बढ़ गईं हैं। हालांकि सोमवार को मौसम साफ होते ही सड़क सीमा संगठन ने मार्ग बहाली का काम शुरू कर दिया है। वहीं रोहतांग दर्रा के साथ कुंजुम दर्रा में भी ताजा हिमपात हुआ है। अप्रैल माह में पहाड़ों में जमकर बर्फबारी हुई है। जबकि निचले इलाकों में रातभर झमाझम बारिश होने से किसान-बागवान खुश हो गए हैं। अटल टनल रोहतांग के दोनों छोर में 10 से 15 सेंटीमीटर बर्फबारी होने से पर्यटकों के लिए टनल को बंद कर दिया गया है। शनिवार शाम को भी अटल टनल रोहतांग के साउथ पोर्टल में कई वाहनों के स्किड होने से नुकसान पहुंचा है। लाहौल जा रही निगम की एक बस को वापस कुल्लू आना पड़ा और यात्रियों को फॉर बाई फॉर वाहनों से घर भेजा गया।

ओरछा में नक्सलियों ने पंचायत सचिव का गला रेता

नारायणपुर। जिले के अबूझमाड़ के ओरछा ब्लॉक में नक्सलियों ने ग्राम पंचायत पोचावाड़ा के सचिव की हत्या कर दी है। ओरछा ब्लॉक के ग्राम पोचावाड़ा की पंचायत में सचिव के पद पर हरक चौधरी पदस्थ थे। सूत्रों के अनुसार चौधरी शुक्रवार को पंचायत संबंधी कार्य व जाति निवास प्रमाण पत्र के शिविर को लेकर पोचावाड़ा के आश्रित ग्राम रोहताड़ गए थे जहां से अपना कार्य पूर्ण कर वापस आ रहे थे तभी घात लगाए हुए नक्सलियों ने उन्हें रोका और अपने साथ ले गए। कुछ देर बाद धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी। इसके बाद रोहताड़ पुलिया के पास सचिव के शव को फेंक दिया। नक्सलियों ने पर्चे व पंफलेट डाले हैं। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीरज चंद्राकर ने घटना की पुष्टि करते कहा कि यह इलाका घोर नक्सली क्षेत्र होने के कारण शव रातभर घटनास्थल में पड़ा रहा। सुबह होने पर पुलिस द्वारा ग्रामीणों एवं परिजनों की मदद से शव को ब्लॉक मुख्यालय ओरछा लाया गया। जहां शव का पोस्टमार्टम कर परिजन को सौंप दिया गया। पुलिस द्वारा घटना की रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई है।

पीएम बोले-2 मई को दीदी को भूतपूर्व सीएम का प्रमाणपत्र देगी जनता

आसनसोल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को पश्चिम बंगाल के आसानसोल में एक रैली के दौरान सीएम ममता बनर्जी पर जमकर हमला बोला। पीएम ने कहा कि 2 मई को जनता ममता दीदी को भूतपूर्व सीएम का प्रमाणपत्र देगी। पीएम मोदी ने कहा कि टीएमसी खंड-खंड हो चुकी है और दीदी के पास अब सिर्फ 15 दिन बचे हैं। पीएम ने ममता राज में भेदभाव-पक्षपात, गुंडागर्दी और विकास की राह में रोड़े डालने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बंगाल की जनता ने इस बार दीदी को भूतपूर्व मुख्यमंत्री का प्रमाणपत्र देने का मन बना लिया है। 2 मई को बंगाल की जनता ममता दीदी को भूतपूर्व मुख्यमंत्री का प्रमाणपत्र देगी।

लॉकडाउन में हो सकती है मतगणना !

नई दिल्ली। गृह मंत्री अमित शाह ने अभी देश में लॉकडाउन के संकेत नहीं दिए हैं। उनका कहना है कि हालात नियंत्रण में हैं और अभी लॉकडाउन जल्दबाजी होगा। शाह के इस बयान के मायने निकाले जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि पश्चिम बंगाल के चुनाव में मतदान के तीन चरण बाकी हैं। अगले तीन चरणों के मतदान 22, 26 और 29 अप्रैल को होने हैं। मतदान खत्म होने के बाद सरकार पूरे देश में लॉकडाउन लगा सकती है। अगर ऐसा हुआ तो बंगाल समेत पांचों राज्यों की मतगणना लॉकडाउन में होगी। हालांकि, यह अभी कयास भर हैं। आने वाले दिनों में हालात क्या बनेंगे, कहा नहीं जा सकता। फिर भी आरोप लग रहे हैं कि बंगाल चुनाव की मतगणना लॉकडाउन में कराने से भाजपा फायदे में रहेगी। मतगणना केंद्रों तक भीड़ नहीं आने दी जाएगी। टीएमसी कई बार कह चुकी है कि भाजपा ईवीएम में

बेकाबू कोरोनाः शहडोल मेडिकल कॉलेज के आईसीयू में भर्ती थे कोरोना मरीज

24 घंटे में यहां 22 मरीजों की जान गई

■ शहडोल

मध्यप्रदेश के शहडोल मेडिकल कॉलेज में ऑक्सीजन की सप्लाई का प्रेशर कम होने से 12 कोविड मरीजों की मौत हो गई। सभी आईसीयू में भर्ती थे। घटना शनिवार रात 12 बजे की है। ऑक्सीजन कम होते ही मरीज तड़पने लगे। इसके बाद अस्पताल में हड़कंप मच गया। ऑक्सीजन सिलेंडरों की व्यवस्था के लिए अफरातफरी मच गई। मेडिकल प्रबंधन ऑक्सीजन की सप्लाई का प्रेशर बनाने के लिए सिलेंडरों की व्यवस्था में जुट गया। ऑक्सीजन की कमी वाले 12 मरीजों से पहले मेडिकल कॉलेज में ही कोरोना के 10 और मरीजों की मौत हो गई थी। इस तरह रविवार को कुल 22 मरीजों की जान गई।

अपर कलेक्टर ने की पुष्टि

ऑक्सीजन की कमी के बाद कई मरीजों को ऑक्सीजन मास्क हाथ से दबाना पड़ा, मरीजों को लग रहा था कि शायद सही तरह से दबाने से ऑक्सीजन आ जाए। मामले में पहले मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. मिलिंद शिरालकर ने 6 मौतों की पुष्टि की। इसके थोड़ी देर बाद ही अपर कलेक्टर अर्पित वर्मा ने 12 मौतें होने की

एक दिन पहले ही कमिश्नर ने किया था निरीक्षण

घटना के बाद मरीजों ने दिन में कमिश्नर राजीव शर्मा के दौरे पर भी सवाल उठाया। वे शनिवार को ही कोविड-19 सेंटर का निरीक्षण करने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने साफ-सफाई और बाकी व्यवस्थाओं को चाक-चौबंद करने की बात कही थी। निरीक्षण के दौरान उनके साथ मेडिकल के डीन के अलावा कलेक्टर डॉ. सतेन्द्र सिंह, अपर कलेक्टर अर्पित वर्मा समेत कई अधिकारी और चिकित्सक मौजूद थे।

कमलनाथ के निशाने पर शिवराज सरकार

पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने शिवराज सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, 'अब शहडोल में ऑक्सीजन की कमी से मौतों की बेहद दुखद खबर? भोपाल , इंदौर , उज्जैन , सागर , जबलपुर , खंडवा , खरगोन में ऑक्सीजन की कमी से मौतें होने के बाद भी सरकार नहीं जागी? आखिर कब तक प्रदेश में ऑक्सीजन की कमी से यूं ही मौतें होती रहेगीउन्होंने कहा कि शिवराज जी आप कब तक ऑक्सीजन की आपूर्ति को लेकर झूठे आंकड़े परोसकर, झूठ बोलते रहेंगे, जनता रूपी भगवान रोज दम तोड़ रही है प्रदेश भर की यही स्थिति है, अधिकांश जगह ऑक्सीजन का भीषण संकट है रेमडेसिविर इंजेक्शन की भी यही स्थिति है। सिर्फ सरकार के बयानों और आंकड़ों में ही ऑक्सीजन और रेमडेसिविर उपलब्ध है, लेकिन यह अस्पतालों से गायब है सरकार कागजी बैठकों से निकलकर मैदानी स्थिति संभाले, स्थिति बेहद विकट है।

15 अप्रैल को जबलपुर में गई थीं 5 जानें

इससे पहले 15 अप्रैल को जबलपुर में लिक्विड प्लांट में आई खराबी के कारण ऑक्सीजन सप्लाई बंद होने से 5 मरीजों की मौत हो गई थी। सभी वेंटिलेटर पर थे। वहीं 4 की हालत गंभीर हो गई थी। यहां के मेडिसिटी अस्पताल में ऑक्सीजन खत्म होने से वेंटिलेटर पर 82 वर्षीय महिला की तड़प-तड़प कर जान चली गई थी। वहीं 4 की मौत सुख-सागर मेडिकल कॉलेज में हुई थी।

पिछले 24 घंटे में 11 हजार से ज्यादा संक्रमित

मप्र में शनिवार को 11,269 लोग कोरोना संक्रमित पाए गए। 6,497 लोग रिकवर हुए और 66 की मौत हो गई। अब तक यहां 3.95 लाख लोग संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। इनमें 3.27 लाख लोग ठीक हो चुके हैं।

पिछले साल के अनुभवों से सीखते हुए सतर्क रहकर आगे बढ़ना होगा; टेस्ट, ट्रैक और ट्रीट पर दिया जोरः मोदी

वाराणसी ■ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने संसदीय क्षेत्र उत्तर प्रदेश के वाराणसी में कोरोना के हालात का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए रिव्यू किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कोरोना से बचाव तथा कोरोना संक्रमित मरीजों के इलाज के लिए टेस्टिंग, बेड, दवाइयों, वैक्सीन और मैन पावर जैसे मुद्दों पर क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने बात की। मोदी ने टेस्ट, ट्रैक और ट्रीट पर जोर देते हुए कहा कि कोरोना की पहली लहर की तरह भी वायरस से जीतने के लिए यही रणनीति अपनानी होगी। उन्होंने

संक्रमित व्यक्तियों की कॉन्ट्रैक्ट ट्रेसिंग और टेस्ट रिपोर्ट्स को जल्द से जल्द उपलब्ध कराने पर भी बल दिया। उन्होंने होम आइसोलेशन में रह रहे मरीजों और उनके परिवार के प्रति भी सभी जिम्मेदारियों के संवेदनशील तरीके से निर्वहन का निर्देश दिया।

वैक्सीनेशन के लिए लोगों को जागरूक करें : मोदी

रिव्यू के दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि दो गज की दूरी, मास्क है जरूरी। सभी लोग इसका गंभीरता से पालन करें। प्रधानमंत्री ने वैक्सीनेशन अभियान के अहमियत पर बल देते हुए कहा कि प्रशासन 45 साल से ज्यादा की उम्र के लोगों को जागरूक करे। प्रशासन पूरी संवेदनशीलता के साथ वाराणसी के लोगों की मदद करे। उन्होंने देश के सभी डॉक्टर्स, मेडिकल स्टाफ का आभार व्यक्त किया और कहा कि इस संकट की घडी में भी वह अपने कर्त्तव्य का निष्ठापूर्ण पालन कर रहे हैं। हमें पिछले साल के अनुभवों से सीखते हुए सतर्क रहकर आगे बढ़ना है।

आईजीआई एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक विमान को बम से उड़ाने की धमकी से सनसनी फैल गई। एयरपोर्ट के एक शौचालय में एक पर्ची मिली, जिस पर बंगलूरु से दिल्ली आने वाले विमान में बम होने और उसके दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचते ही उड़ाने की बात लिखी गई थी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने छानबीन शुरू की, लेकिन विमान में कोई विस्फोटक नहीं मिला। किसी ने एयरपोर्ट के शौचालय में एक कागज का टूकड़ा पड़ा हुआ देखा, जिस पर लिखा हुआ था कि दोपहर बाद बंगलूरू से दिल्ली आने वाले विमान में बम है। विमान के दिल्ली पहुंचते ही उसमें धमाका कर दिया जाएगा। पुलिस ने एयरपोर्ट की सुरक्षा में तैनात सुरक्षा एजेंसियों को इसकी जानकारी दे दी। साथ ही बम निरोधक दस्ता को तैनात कर दिया गया।

भाजपा के 18 करोड़ कार्यकर्ता चलाएंगे 'अपना बूथ, कोरोना मुक्त' अभियान

■ नईदिल्ली

देश में कोरोना के बढ़ते खतरे के बीच भारतीय जनता पार्टी एक बार फिर देश भर में बड़ा अभियान चलाने जा रही है। भाजपा ने पिछली बार जहां 'सेवा ही संगठन' अभियान चलाया था, वहीं इस बार पार्टी ने 'अपना बूथ-कोरोना मुक्त' अभियान चलाने की तैयारी की है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने रविवार को राष्ट्रीय पदाधिकारियों और प्रदेश अध्यक्षों से वर्चुअल बैठक कर इस अभियान को चलाने का निर्देश दिया। दरअसल, देश में अब प्रतिदिन दो लाख से ज्यादा कोविड 19 संक्रमण के मामले सामने आ रहे हैं। मरीजों की बढ़ती संख्या के कारण स्वास्थ्य सेवाओं पर दबाव बढ़ रहा है। ऐसे में पार्टी ने देश भर में अपने करीब 18 करोड़ कार्यकताओं के दम पर बूथ लेवल पर कोरोना मुक्त अभियान चलाने की तैयारी की है। कोरोना से बचाव को लेकर पार्टी कार्यकर्ता लोगों को जागरूक करेंगे। बूथ पर कोई भी कोरोना संक्रमण का केस न आए, इसको लेकर रणनीति बनाई जाएगी।

राहुल गांधी ने कोरोना के चलते रद्द की बंगाल में अपनी सभी चुनावी रैलियां

■ एजेंसी

देश में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बड़ा फैसला किया है। पश्चिम बंगाल में बचे हुए बाकी चरणों के चुनाव में कांग्रेस नेता राहुल गांधी एक भी चुनावी रैलियां नहीं करेंगे। कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों को देखते हुए राहुल गांधी ने पश्चिम बंगाल में होने वाली अपनी सभी रैलियों को रद्द कर दिया है। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से इस पर विचार करने की सलाह दी है। इस बात की जानकारी उन्होंने ट्वीट कर दी है। राहुल गांधी ने पहले अंग्रेजी में ट्वीट करते हुए कहा, ह्यकोविड की स्थिति को देखते हुए मैं पश्चिम बंगाल में अपनी सभी सार्वजनिक रैलियों को स्थगित कर रहा हूं। मैं सभी राजनीतिक नेताओं को सलाह दूंगा कि मौजूदा परिस्थितियों में बड़ी सार्वजनिक रैलियों के आयोजन के परिणामों पर गहराई से विचार करें।

बदरीनाथ हाईवे पर दर्दनाक हादसा, पांच लोगों की मौत

चमोली। चमोली में बदरीनाथ हाईवे पर पाखी गांव के समीप एक कार अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। कार में सवार पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई है। घटना शनिवार को देर रात की बताई जा रही है। मसूरी से हंसी खुशी लौट रहे थे कार सवार दशोली ब्लॉक के भीमतला गांव में एक शादी समारोह में शामिल होने के बाद वापस जोशीमठ लौट रहे थे। रविवार को सुबह घटना की जानकारी मिलते ही जोशीमठ और पीपलकोटी से पुलिस व एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। खाई से शवों को निकालने के लिए रेस्क्यू किया। दुर्घटना के कारणों का अभी तक कोई पता नहीं चल पाया है। भीमतला गांव के विनोद नैथवाल ने बताया कि शनिवार को सुबह जोशीमठ से भीमतला गांव में बरात पहुंची। दिनभर शादी समारोह के बाद बरात शाम को करीब सात बजे जोशीमठ के लिए लौटी। बरात के सभी वाहन तो जोशीमठ पहुंच गए, लेकिन यह कार नहीं पहुंची। जिसे लोग रातभर ढूंढने में लगे रहे। पुलिस को भी रात को ही सूचना दी गई। रविवार को सुबह घटना स्थल का पता चल पाया। उन्होंने बताया कि दुर्घटना वाले स्थान पर

सोनिया का आरोप

सुझाव देने पर विपक्ष का मजाक उड़ाते हैं मंत्री

■ नईदिल्ली

कोरोना महामारी के कारण देशभर में बिगड़ती स्थितियों पर शनिवार को कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक हुई। मीटिंग में पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी ने केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला। सोनिया ने कहा कि संक्रमण की पहली वेव के बाद केंद्र सरकार को आज एक साल का पूरा समय मिला, लेकिन सरकार ने मेडिकल सुविधाओं को ठीक करने के बजाए सिर्फ राजनीति की। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने गैर भाजपाई राज्यों के साथ भेदभाव का भी आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेसी मुख्यमंत्रियों और कांग्रेस के सहयोगी मुख्यमंत्रियों ने कई बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके विभागीय मंत्रियों को पत्र लिख कर आवश्यक सामानों की मांग की है, लेकिन केंद्र सरकार ने चुप्पी साध रखी है। कई राज्यों में वैक्सीन नहीं है, वेंटिलेटर नहीं है, ऑक्सीजन नहीं है। ये भी देखने में आया है कि कुछ राज्यों को प्राथमिकता के आधार पर ट्रीट किया जा रहा है। यह भेदभाव अच्छा नहीं है। सोनिया ने कहा कि देश में कोरोना का पहला केस पिछले साल 30 जनवरी को आया था, उसके बाद सरकार के पास एक साल का समय था, लेकिन सरकार ने व्यवस्थाएं ठीक नहीं कीं। विपक्ष के सुझाव पर उनके मंत्री उल्टा हमला बोलते हैं।

लाइफ सेविंग मेडिसिन से जीएसटी हटाए सरकार

कांग्रेस ने सवाल खड़ा करते हुए सरकार से पूछा है कि रेमडेसिविर जैसी लाइफ सेविंग मेडिसिन और मेडिकल ऑक्सीजन पर 12% जीएसटी क्यों वसूली जा रही है? वहीं कोरोना से लड़ने के लिए आवश्यक इक्विपमेंट जैसे ओक्सीमीटर और वेंटिलेटरों पर 20% जीएसटी क्यों वसूली जा रही है। उन्होंने लॉकडाउन में बेरोजगार हुए गरीबों को हर महीने छह-छह हजार रुपए दिया जाए।

वैक्सीन के निर्यात पर सवाल उठाया

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे पत्र का उल्लेख किया और आरोप लगाया कि कई जगहों पर टीकों, ऑक्सीजन और वेंटिलेंटर की कमी हो रही है, लेकिन सरकार चुप्पी साधे है। वैक्सीन के निर्यात पर सवाल उठाते हुए सोनिया गांधी ने कहा कि क्या टीकों के निर्यात को रोककर अपने नागरिकों की रक्षा को प्राथमिकता नहीं दी जानी चाहिए। सरकार को टीकाकरण के लिए अपनी प्राथमिकता पर पुनर्विचार करना चाहिए और आयुसीमा को घटाकर 25 साल करना चाहिए। अस्थमा, मधुमेह, किडनी और लीवर संबंधी बीमारियों से पीड़ित सभी युवाओं को टीका लगाया जाना

देश में 162 ऑक्सीजन संयंत्र लगाएगी मोदी सरकार

■ नईदिल्ली

देश में कोरोना वायरस की दूसरी लहर से हाहाकार मचा है। कोरोना संक्रमण के मरीजों की बेतहाशा बढ़ोतरी के चलते स्वास्थ्य व्यवस्था चरमरा गई है। देश भर के अस्पतालों में बेड, वेंटिलेटर, कोरोना के इलाज में इस्तेमाल होने वाली दवा रेमडेसिविर और ऑक्सीजन की भारी किल्लत चल रही है, जिसके चलते मरने वालों की संख्या में लगातार बढ़ती जा रही है। इस बीच रविवार को केंद्र सरकार ने 162 से ज्यादा ऑक्सीजन संयंत्र लगाने को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बयान जारी कर बताया कि 162 ऑक्सीजन संयंत्र में से 33 पहले ही स्थापित किए जा चुके है, जिनमें से पांच मध्यप्रदेश में, चार हिमाचल प्रदेश में, तीन-तीन चडीगढ़, गुजरात और उत्तराखंड में और दो-दो बिहार, कर्नाटक, और तमिलनाडु में बनाए गए हैं। इसके अलावा आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, दिल्ली हरियाणा, केरल, महाराष्ट्र, पुडुचेरी, पंजाब और उत्तर प्रदेश में एक-एक संयंत्र लगाया गया है।

विदेश से आयात करने की योजना की दी थी जानकारी

हाल ही में केंद्र सरकार ने देश में कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए 50 हजार मीट्रिक टन मेडिकल ऑक्सीजन विदेश से आयात किए जाने की जानकारी दी थी। केंद्र सरकार ने बयान जारी कर कहा था कि कोविड-19 के बढ़ते मामलों के चलते 50 हजार मीट्रिक टन ऑक्सीजन के लिए निविदाएं आमंत्रित की जाएंगी, जबकि इसके संसाधनों और

फैसला | हादसे में लापरवाही हर मामले में तथ्य और परिस्थिति के हिसाब से तय होगी।

हेलमेट न पहनना मौत का कारण तो है, दुर्घटना का नहीं, ट्रिब्यूनल का आदेश खारिज

कोच्चि ■ एजेंसी

केरल हाईकोर्ट ने दुर्घटना मुआवजे के मामले में ट्रिब्यूनल के उस फैसले को खारिज कर दिया जिसमें हेलमेट न पहनने के कारण मुआवजा राशि घटाई गई थी। दरअसल, बाइक पर पीछे बैठे व्यक्ति की हादसे में मौत हुई थी। ट्रिब्यूनल ने उसके हेलमेट न पहनने को लापरवाही मानते हुए मुआवजा कम कर दिया। मृतक के परिजनों ने इस फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने कहा, हादसे में पीछे बैठे व्यक्ति ने हेलमेट न पहनकर

कानून का उल्लंघन किया, लेकिन ऐसा नहीं माना जा सकता कि उसने लापरवाही की। हादसे में लापरवाही हर मामले में तथ्य और परिस्थिति के हिसाब से तय होगी। कोर्ट ने कहा, उसने हेलमेट पहना होता तो उसकी जान जान बच सकती थी। चोट इतनी गंभीर नहीं होती कि जान चली जाए, लेकिन हेलमेट न पहनने को हम बाइक में टक्कर मारे जाने का कारण नहीं कह सकते। कोर्ट ने कहा, यह तय करने की जरूरत है कि जो हादसा हुआ उसमें उस लापरवाही की हिस्सेदारी थी। लापरवाही में उसकी हिस्सेदारी के लिए और साक्ष्यों की जरूरत होगी। हालांकि कोर्ट ने आगाह किया कि उसके इस आदेश को बिना हेलमेट पहने गाड़ी चलाने का लाइसेंस न समझा जाए। यह मामला 8 अगस्त, 2007 का है। मोहम्मदकुट्टी वैद्याक्करन बाइक पर जा रहे थे जिसे उनका बेटा चला रहा था। तभी सामने से आ रहे वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों घायल हो गए। बाद में वैद्याक्करन की मौत हो गई। मृतक के परिजनों के लिए 33,03,700 का मुआवजा पास हुआ लेकिन ट्रिब्यूनल ने वैद्याक्करन के हेलमेट न पहने होने के कारण उसकी लापरवाही में हिस्सेदारी मानते हुए मुआवजे में से 20 फीसदी की राशि घटा दी थी।

कोरोना महामारी के दौरान प्रदेश में आक्सीजन की किल्लत और कई जिलों में मरीजों की मौत के बाद जागी सरकार

प्रदेश के 37 जिलों में लगाए जाएंगे ऑक्सीजन प्लांट

■ भोपाल

कोरोना महामारी के दौरान प्रदेश में आक्सीजन की किल्लत और कई जिलों में मरीजों की मौत के बाद सरकार जागी है और तय किया गया है कि प्रदेश के 37 जिलों में ऑक्सीजन निर्माण के प्लांट लगेंगे। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अफसरों को निर्देश दिए हैं कि तीन माह में यह काम पूरा कर लें। उन्होंने पीआईयू स्थल का जल्दी से जल्दी चयन करें। इससे पहले कोरोना की पहली लहर के दौरान सरकार ने प्रदेश के 9 जिलों में मेडिकल ऑक्सीजन प्लांट लगाने के लिए टेंडर जारी किए थे, लेकिन लहर कमजोर होते ही सरकारी तंत्र ने इस तरफ ध्यान देना बंद ही कर दिया था। जबकि कोरोना से लड़ने मध्य प्रदेश आत्म निर्भर बनने की दिशा में बढ़ाया गया कदम था। यही वजह है कि सरकार ने बाबई (होशंगाबाद) में लग रहे प्लांट के लिए 40% निवेश सहायता (7 साल के लिए) देने का ऐलान करने के बाद कई कंपनियों ने रुचि दिखाई थी। उस समय कॉरपोरेशन के एक अधिकारी ने कहा था कि कंपनी का चयन हो गया तो अगले साल जनवरी-फरवरी तक ऑक्सीजन का उत्पादन शुरू हो जाएगा। इससे सामान्य हालातों में इन जिला अस्पतालों में मेडिकल ऑक्सीजन की जरूरत पूरी हो जाएगी। जमीनी हकीकत यह है कि अभी तक इस प्लांट का निर्माण ही पूरा नहीं हो पाया। उस समय मप्र पब्लिक हेल्थ सप्लाई कॉरपोरेशन ने कंपनी के चयन की प्रक्रिया भी शुरू कर दी थी। यहां तक कि कारपोरेशन ने टेंडर में यह भी कहा था कि तैयार ऑक्सीजन की शुद्धता का स्तर विश्व स्वास्थ्य संगठन के मापदंड के अनुसार 93% से कम नहीं होना चाहिए। किन्हीं विशेष कारणों से इसमें 3% तक की कमी स्वीकार की जा सकती है। उस सयम सरकार ने ऑक्सीजन प्लांट लगाने का निर्णय इसलिए लिया था, क्योंकि महाराष्ट्र सरकार ने नागपुर स्थित आइनाक्स कंपनी के प्लांट से मप्र को तरल ऑक्सीजन देने से मना कर दिया था, जिससे चिंता बढ़ गई थी। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह से बातचीत के बाद महाराष्ट्र सरकार ऑक्सीजन की आपूर्ति के लिए तैयार हुई थी। अब कोरोना की दूसरी लहर में भी महाराष्ट्र सरकार ने ऑक्सीजन की सप्लाई मप्र में करने के लिए यह कहते हुए हाथ खड़े कर दिए कि उनके राज्य में जरुरत है।

कमलनाथ ने कहा- आग लगने के बाद कुआं खोदने की तैयारी सिर्फ बातें

37 जिलों में ऑक्सीजन प्लांट लगाने की घोषणा पर पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा है कि सरकार आग लगने के बाद कुआं खोदने की तैयारी नहीं, सिर्फ बात कर रही है। यदि यहआठ महीने पहले कर लिया जाता तो कई लोगों की जान बच जाती।

ऑक्सीजन की क्षति न हो: सीएम

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि ऐसे समय जब ऑक्सीजन की बहुत जरूरत है, भोपाल के पास एक ऑक्सीजन टैंकर पलटा, लेकिन ऑक्सीजन की क्षति नहीं हुई। स्थानीय प्रशासन, परिवहन विभाग ने तत्परता से कार्यवाही की। मुख्यमंत्री ने कहा इसी तरह सभी का सतर्क रहना आवश्यक है। रोगियों के कार्य की वस्तुओं को सहेजने के लिए सजगता प्रशंसनीय है। इसी तरह ऑक्सीजन के अनावश्यक उपयोग पर नियंत्रण भी आवश्यक है।

रोगियों के हित में जल्दी मिले रिपोर्ट

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि जाँच रिपोर्ट 24 घंटे में उपलब्ध करवाने की व्यवस्था की जाए। टेस्ट रिपोर्ट आने तक जाँच करवाने व्यक्ति को आइसोलेशन में रहना है, यह परामर्श दिया जाए। संक्रमण की चेन तोड़ने के लिए प्रयासों में कोई कमी नहीं रहना चाहिए। ऐसे निर्धन परिवार, जो होम आइसोलेशन में हैं यदि उनके लक्षण गंभीर होते हैं तो प्राथमिकता से कोविड केयर सेंटर ले जाया जाए। इन केन्द्रों में चाय, नाश्ता, भोजन उपलब्ध करवाया जाए। रोगियों की पूरी देखभाल की जाए। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि रोगियों को एक अस्पताल से दूसरे में न जाना पड़े, इसके लिए बेड की उपलब्धता प्रदर्शित करें। निर्धारित नंबरों पर नागरिकों को जानकारी मिलना चाहिए। गंभीर रोगियों को सभी जिले में प्रशासनिक अधिकारी अथवा अस्पताल द्वारा उपचार देने में पूरा सहयोग प्रदान किया जाए। इंदौर में राधास्वामी सत्संग ब्यास द्वारा की गई पहल अनुकरणीय है। अन्य संभाग में भी यह पहल हो। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि किसी भी स्थिति में संक्रमण की चेन तोड़ना है। ऐसे प्रयास करें कि यह कार्य एक अभियान बन जाए।

'ऑक्सीजन एक्सप्रेस' केन्द्र की पहल सराहनीय

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि केन्द्र सरकार ने ऑक्सीजन एक्सप्रेस के माध्यम से राज्यों तक उनकी आवश्यकता के अनुसार ऑक्सीजन की आपूर्ति की पहल की है। निश्चित ही यह सराहनीय है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री चौहान द्वारा गत सप्ताह ऑक्सीजन की आपूर्ति के लिए रेल के माध्यम से टेंकर लोड कर भेजे जाने का सुझाव दिया गया था।

अब मोबाइल फीवर क्लीनिक का संचालन

स्वास्थ्य विभाग के प्रजेंटेंशनमेंअपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य मोहम्मद सुलेमान ने बताया कि प्रदेश में 12 हजार 248 रोगी हैं। रिकवर हुए रोगियों की संख्या 6497 है। एक्टिव केस 4,706 हैं। देश में मध्यप्रदेश के 4.4 प्रतिशत रोगी हैं। प्रदेश का पॉजिटिविटी रेट बीस है लेकिन रिकवर होकर रोगी घर आ रहे हैं। भोपाल, इंदौर में अभी केस स्थिर हैं। लेकिन नियंत्रण की चुनौती का सामना कर सभी व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की जा रही है। प्रदेश में 720 फीवर क्लीनिक चल रहे हैं। अब चलित फीवर क्लीनिक के संचालन की तैयारी भी की गई है। नागरिकों के घर तक सैम्पल लेने के लिए वाहन पहुँचेंगे। रैपिड टेस्ट के पश्चात पॉजीटिव परिणाम पर संबंधित व्यक्ति को वहीं किट भी प्रदान की जाएगी। साथ ही होम आयसोलेशन के संबंध में भी मार्गदर्शन दिया जाएगा। जबलपुर और रीवा संभाग में रेपिड टेस्ट की क्षमता बढ़ाएंगे। इसी तरह विंध्य अंचल में व्यवस्थाएँ बेहतर करने के प्रयास किए जा रहे हैं। अभी रीवा में 1500 प्रतिदिन की टेस्ट क्षमता को 2000 तक ले जाने का प्रयास है। संभाग में लेब की सुविधा बढ़ाएंगे। इसके साथ ही सिंगरौली में अधिक टेस्ट हो सकें, इसके भी प्रयास करेंगे।

सीएम शिवराज ने कहा- संकट विकट है, 30 अप्रैल तक बेवजह घर से न निकलें

भोपाल। सीएम शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि मध्यप्रदेश में कोरोना संक्रमितों का आंकड़ा 4 लाख के पार हो गया है। अप्रैल के 17 दिनों में ही 1 लाख केस मिल चुके हैं। रविवार को सीएम ने अपने संदेश के दौरान कहा कि कोरोना का संकट विकट है। इसके इलाज में निजी अस्पतालों की भी अहम भूमिका है। यदि इस समय कोई प्राइवेट हॉस्पिटल चालू करना चाहता है, तो उसे सरकारी भवन व अन्य सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। उन्होंने कहा है कि 30 अप्रैल तक कोई भी अनावश्यक रूप से घर से न निकले। गांव, मोहल्लों, कॉलोनियों, बिल्डिंग्स आदि में लोग जनता कर्फ्यू लगाएं। भोपाल, इंदौर समेत जिन शहरों में एक्टिव केस की तादाद बढ़ती जा रही है, वहां एक सप्ताह के लिए लॉकडाउन बढ़ा दिया गया है। यदि कोरोना की रफ्तार को काबू नहीं किया गया, तो सरकार आगे भी पाबंदियां बढ़ा सकती है। आज से बढ़ाई गई लॉकडाउन की अवधि में पाबंदियां सख्त की जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह एक युद्ध है। इसमें सबको सारे मतभेद भुलाकर एकजुट होकर लड़ना पड़ेगा। सरकार अपने स्तर पर प्रयास कर रही है, लेकिन जब तक समाज का सहयोग नहीं मिलेगा, हम कोरोना को शीघ्र नियंत्रित नहीं कर पाएंगे। बीमारी के थोड़े भी लक्षण दिखने पर तुरंत जांच करवाएं। होम आइसोलेशन अथवा कोविड केयर सेंटर में रहकर इलाज लें। यहां सरकार द्वारा दवाओं, डॉक्टर की परामर्श आदि की व्यवस्था है। मुख्यमंत्री ने कहा कि होम आइसोलेशन में सरकार की ओर से कोरोना के इलाज की सभी सुविधाएं दी जा रही हैं। आवश्यकता होने पर अस्पताल ले जाने के लिए एंबुलेंस का इंतजाम किया जा रहा है। जिन मरीजों के घर में जगह कम है, वे कोविड केयर सेंटर में रहें। वहां पर दवाई के अलावा भोजन, चाय-नाश्ता आदि की व्यवस्था भी की गई है। सभी जिलों में कोविड केयर सेंटर चालू हो गए हैं। मुख्यमंत्री ने ऑक्सीजन की आपूर्ति को लेकर भी आश्वस्त किया कि प्रदेश में ऑक्सीजन की कमी नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने कहा, 8 अप्रैल को ऑक्सीजन की आपूर्ति 130 मीट्रिक टन थी, जो 12 अप्रैल को बढ़कर 267 मीट्रिक टन हो गई। इसके बाद लगातार आपूर्ति बढ़ती गई। 30 अप्रैल तक ये मात्रा 700 मीट्रिक टन हो जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि रेडमेसिविर इंजेक्शन के लिए केंद्र सरकार और प्राइवेट कंपनियों से चर्चा की जा रही है। इंजेक्शन और बाकी दवाओं की कमी न हो, इसके प्रयास किए जा रहे है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार अस्पतालों में बेड की संख्या लगातार बढ़ाई जा रही है। जहां 01 अप्रैल को कुल 21 हजार 159 बेड उपलब्ध थे, वहीं अब बढ़कर ये 40 हजार 784 हो गए हैं। इसे 30 अप्रैल तक 50,000 बेड करने का लक्ष्य है।

रेमडेसिविर की कालाबाजारी करते हुए डॉक्टर सहित पकड़े गए चार लोग

12 से 20 हजार रुपए में बेच रहे थे इंजेक्शन

■ भोपाल

राजधानी में कोरोना काल में जीवन रक्षक मानी जाने वाले रेमडेसिविर इंजेक्शन की कालाबाजारी करने वाले गिरोह का पदार्फाश किया है। मामले में शाहजहांनाबाद क्षेत्र में पुलिस ने चार लोगों को पकड़ा है। आरोपियों में दो लोग मेडिकल स्टोर से जुड़े और एक डॉक्टर है। ये लोग खड़े होकर ग्राहक तलाश रहे थे, तभी पुलिस ने उन्हें दबोच लिया। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। सीएसपी क्राइम ब्रांच गोपाल धाकड़ ने बताया कि रविवार को इस्लामी गेट के पास कुछ लोगों द्वारा ब्लैक में इंजेक्शन के बेचे जाने की सूचना मिली। बताया गया था कि कुछ लोग 12 से 20 हजार रुपए में इंजेक्शन बेच रहे हैं। इस पर पुलिस ने घेराबंदी की। ग्राहकों की प्रतीक्षा में खड़े गिरोह के सदस्यों को पुलिस ने धर दबोचा। आरोपी शमी खान, अखलाक खान, नौमान खान और अहसान खान हैं। इनमें से दो युवक मेडिकल स्टोर से जुड़े हैं, तो एक डॉक्टर है। प्राथमिक पूछताछ के दौरान पता चला है कि आरोपियों के पास इंजेक्शन शाहजहांनाबाद स्थित मनोज मेडिकल स्टोर से पहुंच रहे थे। यहां से इंजेक्शन लाने में इनकी मदद मेडिकल पर काम करने वाला कर्मचारी आसिफ खान कर रहा था। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में लिया है।

यूपीएससी की परीक्षा में बमुश्किल पहुंचे 25-30 फीसदी परीक्षार्थी

■ भोपाल

कोरोना के चलते रविवार को राजधानी में संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) द्वारा आयोजित नेशनल डिफेंस अकादमी (एनडीए) और नेवल एकेडमी (एनए)-2021 की प्रारंभिक परीक्षा में अभ्यर्थियों की संख्या कम रही। मप्र में राजधानी भोपाल में 43 परीक्षा केंद्रों पर यह परीक्षा हुई इसमें 15 हजार 773 परीक्षार्थियों को शामिल होना था लेकिन कोरोना के कारण राजधानी के सभी परीक्षा केंद्रों पर पहली पाली में करीब 25 से 30 फीसदी परीक्षार्थी ही उपस्थिति रहे। इससे पहले सुबह 10 बजे से आयोजित होने वाली परीक्षा के लिए परीक्षार्थी सुबह 9 बजे से परीक्षा केंद्र तक पहुंच गए थे। दुसरी पाली की परीक्षा दोपहर 2 बजे से शुरू हुई। यह परीक्षा ऑफलाइन यानि पेन-पेपर मोड में आयोजित की गई।

परीक्षा केंद्र पर पहुंचे अभिभावकों का कहना है कि उन्हें उम्मीद थी कि परीक्षा स्थगित होगी, लेकिन नहीं हुई तो दिलाने आना पड़ी। वहीं कुछ अभिभावकों ने कहा कि परीक्षा स्थगित करने से कुछ नहीं होगा। अगर कोरोना काल लंबा चलेगा तो परीक्षाएं स्थगित होने से बच्चों के भविष्य पर असर पड़ेगा। सीहोर से आए देवीराम जाटव का कहना है कि अगर कोरोना काल पांच साल चलेगा, तो स्थगित करना सही नहीं है। जीविका को चलाने के लिए आगे बढ़ना होगा। वहीं शुजालपुर से आए दिलीप कुमार का कहना है कि परीक्षा होना चाहिए। कोरोना गाइडलाइन का पालन करें। एक अन्य अभिभावक राजकुमार का कहना है कि परीक्षा स्थगित होना चाहिए थी, लेकिन अब जबकि यह आयोजित की जा रही है तो बच्चे को लेकर आना पड़ा।

बीसीएलएल की 100 सीटी बसों से परीक्षार्थी पहुंचें केंद्रः शहर में कोरोना कर्फ्यू लागू है, लेकिन परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए नगर निगम की और से सिटी बसों का संचालन किया गया। राजधानी भोपाल में चार स्थानों से यह बसें चलाई गई। भोपाल रेलवे स्टेशन प्लेटफार्म नंबर-6, हबीबगंज रेलवे स्टेशन प्लेटफार्म नंबर -1, हलालपुर बस स्टैंड एवं आइएसबीटी बस स्टैंड भोपाल से परीक्षा केंद्रों के लिए बसों का संचालन किया गया।

रेडक्रास में आज से किया जाएगा कोरोना मरीजों को भर्ती, बढ़े मरीजों के लिए 25 बिस्तर

भोपाल। राजधानी में कोरोना मरीजों के लिए 25 बेड की और व्यवस्था बनी है दरअसल । रेडक्रास अस्पताल में भी कोरोना मरीजों को भर्ती करने की सुविधा आज से शुरू होने जा रही है। इसके लिए अस्पताल में 25 बिस्तर अभी तैयार किए गए हैं। इनमें 12 बिस्तर का आइसीयू बाकी ऑक्सीजन वाले बिस्तर होंगे। राज्य रेडक्रॉस सोसाइटी के चेयरमैन आशुतोष पुरोहित ने बताया कि दूसरी मंजिल पर बनाए गए आईसीयू में 12 मरीजों को भर्ती किया जाएगा । इसके अलावा आठ निजी वार्ड भी हैं जहां मरीजों को भर्ती किया जाएगा। यहां ऑक्सीजन की सुविधा भी है। भूतल पर भी कुछ वार्ड तैयार किए जा रहे हैं। इस तरह कोरोना मरीजों के लिए 25 बिस्तर शुरू किए जा रहे हैं। पुरोहित ने बताया कि 2 से 3 दिन बाद 25 बिस्तर और बढ़ाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि अस्पताल में स्टाफ कम है, इसलिए आउट सोर्स पर भी कर्मचारी लिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि एडमिट होने वाले मरीजों से क्या शुल्क लिया जाएगा इसका निर्धारण अभी बाकी है। हालांकि निजी अस्पतालों से करीब 50 फीसद शुल्क कम रहेगा। भोपाल के सभी निजी और सरकारी अस्पतालों में ऑक्सीजन और वेंटिलेटर वाले बिस्तर भरे हुए हैं। ऐसे में रेड क्रॉस में सुविधा शुरू होने से मरीजों को काफी राहत मिल जाएगी।

महिला उत्थान के लिए बाबा साहेब ने मंत्री रहते हुए किए अनेक प्रयास

■ भोपाल

डॉ भीमराव आंबेडकर ने कानून मंत्री रहते हुए महिलाओं के समाजिक उत्थान के लिए अनेक प्रयास किए। समान काम के लिए समान वेतन, संपत्ति में बराबर का अधिकार, तलाक लेने का अधिकार जैसे विचार आंबेडकर की महिलाओं की स्थिति के प्रति संवेदनशीलता को दर्शाते हैं। यह बात सेवानिवृत्त प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ आरके पालीवाल ने कही। मौका था रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा आयोजित आनलाईन चर्चा का, जो कि आंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित की गई थी। जिसका विषय था 'आंबेडकर जीवन दर्शन और समतामूलक समाज की स्थापना में उनका योगदान।' उन्होंने कहा कि आंबेडकर ने न सिर्फ दलितों, बल्कि भारत के हर आम नागरिक के जीवन स्तर को उठाने का काम किया इसके दो तीन और भी उदाहरण हैं। जैसे उन्होंने मजदूरों के काम करने के घंटों को बारह से घटाकर आठ घंटे करने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने मंहगाई भत्ता, मेडिकल लीव, बीमा, न्यूनतम वेतन जैसे काम से आज निश्चित ही हर व्यक्ति बिना जाति देखे लाभान्वित हो रहा है। अंबेडकर ने पूंजीपति एवं मजदूरों के बीच के विवादों के निपटारे के लिए एक ऐसे पैनल का भी गठन किया था, जिसमें एक-एक सदस्य पूंजीपति और मजदूर का होता था। साथ ही एक सदस्य सरकार का भी होता है। इस तरह हम देखते हैं कि आंबेडकर ने निश्चय ही दलितों के लिए अनेक क्रांतिकारी कार्य तो किए ही, लेकिन साथ ही उन्होंने अन्य सभी आम नागरिकों के लिए भी अतुलनीय कार्यों में अपना योगदान दिया। अतः आंबेडकर सभी के हैं, सबको आज आंबेडकर के सामाजिक आर्थिक बराबरी के सिद्धांत को साकार करने में अपना योगदान देना चाहिए। कार्यक्रम के सूत्रधार कार्यक्रम अधिकारी गब्बर सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय सेवा योजना पूरे भारतवर्ष में सामाजिक एकता और सद्भावना के लिए अनेक जागरूकता परक गतिविधियों का आयोजन करती रहती है।

मुश्किलों का सफर — लॉकडाउन के चलते शहर से शुरु हुआ पलायन

कुछ कैंसिल तो कहीं दोगुना किराया और घंटों इंतजार के बाद चल रही बसें

■ भोपाल

राजधानी में लॉकडाउन एक हफ्ते और बढ़ाए जाने के बाद लोग पलायन करने लगे हैं। इस कारण रेलवे स्टेशनों और बस स्टैंड पर यात्रियों की भीड़ लगी है। बस स्टैंड पर बस और अन्य साधन नहीं मिलने से यात्रियों को परेशान होना पड़ रहा है। वहीं, बस संचालकों की मुश्किल है कि जरूरत के मुताबिक यात्री नहीं मिलने से उन्हें नुकसान हो रहा है लिहाजा या तो बसें कैंसिल की जा रही है या फिर तय समय की बजाए सवारी पूरी होने के बाद इनका संचालन किया जा रहा है। बता दें राजधानी के चार बस स्टैंड से रोजाना करीब 750 बसों का संचालन होता है। इनमें हलालपुर से इंदौर, उज्जैन, राजगढ़, ब्यावरा, गुना समेत राजस्थान की बसों का संचालन होता है, जबकि नादरा बस स्टैंड से विदिशा, बैतूल, ग्वालियर, सागर आदि की बसों की आवाजाही होती है। पुतलीघर बस स्टैंड से बैरसिया, शमशाबाद आदि बसों के सफर के लिए निर्धारित है। आईएसबीटी से अंतरप्रांतीय बसों के अलावा इंदौर, होशंगाबाद, जबलपुर समेत कई शहरों की चार्टर बसों का संचालन भी होता है। पिछले करीब एक माह से बसों का संचालन महज 20 प्रतिशत ही रहा गया है।

सड़क परिवहन अधिकारी-कर्मचारी उत्थान समिति के अध्यक्ष श्याम सुंदर शर्मा बताते हैं, पिछले साल महामारी शुरू होने के बाद से ही परिवहन की मुश्किलें बढ़ी हुई हैं। लंबे समय तक बसें खड़ी रहने के कारण संचालक घाटे और कर्ज में हैं। बुरे हालात का सामना यात्रियों को भी करना पड़ रहा है। उन्हें ज्यादा पैसा देकर सफर करना पड़ रहा है। एक अन्य संचालक की माने तो यात्रियों की कमी के कारण सीमित संख्या में बसों का संचालन हो रहा है। इस दौरान बसों के चलाने पर हो रहा खर्च निकालना भी मुश्किल हो रहा है। उधर छिंदवाड़ा की यात्रा के लिए घर से निकले संजव शर्मा ने बताया कि सुबह से बस स्टैंड पर आए हैं। बसें भी मौजूद हैं, लेकिन कहा गया है कि सवारियां पूरी होने के बाद ही बस चल पाएगी। इस बीच आम दिनों में लगने वाले किराये के मुकाबले दोगुना किराया भी वसूला जा रहा है।

गड्ढे में डूबने से 6 साल की बालिका की मौत

भोपाल। बच्चों के साथ खेल रही छह साल की मासूम की खेलते समय गड्ढे में डूबने से मौत हो गई। खेलते समय वह अचानक से एक निमार्णाधीन बिल्डिंग के बेसमेंट में पहुंच गई। जहां पर टंकी से पानी भरते समय गिर गई। परिजनों ने जब बच्ची को खोजा तो वह टंकी मिली जहां से उसे कोलार के सरकारी अस्पताल लेकर पहुंचे। डाक्टरों ने चेक कर उसे मृत बताया। बाद में इस घटना की सूचना कोलार थाने को दी है। जिस पर पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले को जांच में ले लिया है। कोलार पुलिस के अनुसार अवंतिका होम्स सलैया में अपने मां और पिता के साथ रहती है। रविवार सुबह दस बजे आसपास के बच्चों के साथ खेल रही थी। अचानक से वह खेलते खेलते गायब हो गई थी। जब परिजनों ने काफी तलाश की तो बच्ची नहीं मिली। बाद में निमार्णाधीन बिल्डिंग के बेसमेंट में लगे सीसीटीवी को परिजनों ने दिखवाया यह जिसमें बच्ची हाथ में प्लास्टिक का डिब्बा लेकर जा रही है। उस डिब्बे में रस्सी बांध रखी थी। जिससे वह इमारत के बेसमेंट में बनी निमार्णाधीन टंकी से पानी निकाल रही थी लेकिन पानी लेते समय वह ज्यादा झुक गई। जिससे वह पानी की टंकी में गिर गई थी। बच्ची का पीएम करवाकर पुलिस ने शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। कोलार थाने के एएसआइ राजेंद्र सिंह ने कहा कि परिजन अभी बयान देने की स्थिति में नहीं है।

संक्षेप में...

2004 के बाद जन्मे लोगों के लिए बैन होगा धूम्रपान

वेलिंगटन । तंबाकू के कारण हर साल जान गंवाने वाले लोगों का आंकड़ा कम करने के इरादे से न्यूजीलैंड ने साल 2004 के बाद पैदा हुए लोगों के लिए धूम्रपान पर बैन लगाने का प्लान बनाया है। देश का इरादा है कि 2025 तक पूरी तरीके से धूम्रपान मुक्त होना है। इसी दिशा में यह कदम उठाया जा सकता है। अगर यह कानून पास हो गया तो धूम्रपान की उम्र को बढ़ाया जा सकता है, सिगरेट पर फिल्टर बैन हो सकते हैं, वयस्कों के लिए खुले स्टोर्स में ही सिगरेट की बिक्री की जा सकती है और तंबाकू में निकोटीन की मात्रा कम की जा सकती है। न्यूजीलैंड में हर दिन 50 लाख लोगों की आबादी में से 5 लाख लोग धूम्रपान करते हैं। हर साल 4500 लोगों की मौत होती है। देश की असोसिएट स्वास्थ्य मंत्री डॉ. आयशा वेरल का कहना है कि इसलिए 2025 तक देश को धूम्रपान मुक्त करने के लक्ष्य तक पहुंचने के लिए तेजी से कदम उठाना जरूरी है। हालात अभी जैसे बने रहे तो यह लक्ष्य पूरा नहीं किया जा सकेगा। डॉ. वेरल का कहना है कि धूम्रपान मुक्त पीढ़ी को तैयार किया जा सकेगा जब 2022 से ही 18 साल से कम उम्र के युवाओं को तंबाकू की बिक्री बैन कर दी जाए। हालांकि, इस कदम के विरोध में भी आवाजें उठने लगी हैं। दक्षिणपंथी दल ष्टञ्ज ने दलील दी है कि निकोटीन कम करने से सिगरेट की खपत ज्यादा होगी।

महारानी एलिजाबेथ ने दी पति को आखिरी विदाई

विंडसर । ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ के पति प्रिंस फिलिप को शनिवार को सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया। उनकी अंतिम यात्रा सैन्य बैंड के साथ शुरू हुई और उनका ताबूत विंडसर कैसल के स्टेट एंट्रेंस से बाहर लाकर लैंड रोवर पर रखा गया। सेंट जॉर्ज चैपल तक आठ मिनट में सेना के वरिष्ठ कमांडर वाहन के सामने कतारबद्ध और पीछे राजपरिवार के सदस्य चले। महारानी एलिजाबेथ द्वितीय जुलूस के पीछे राजकीय बेंटले कार में सवार रहीं। इस दौरान खुद उनके द्वारा चुने गए भजनों और पाठों को शामिल किया गया जो उनकी पत्नी महारानी एलिजाबेथ द्वितीय, ब्रिटेन और राष्ट्रमंडल की सेवा में उनकी अटूट निष्ठा को दशार्ते हैं। शनिवार को स्थानीय समयानुसार अपराह्न तीन बजे एक मिनट के राष्ट्रीय मौन के साथ आधिकारिक रूप से विंडसर कैसल के सेंट जॉर्ज चैपल में आधिकारिक रूप से शुरू हुआ यह समारोह बिना किसी उपदेश के धार्मिक होगा जैसे का खुद ड्यूक ने चाहा था। बीते शुक्रवार 99 साल की अवस्था में उनका निधन हो गया था। महारानी ने अपने दिन की शुरूआत स्कॉटलैंड में अपने दिवंगत पति के बगल में घास पर बैठे हुए ली गई एक तस्वीर जारी कर की। महारानी (94) की 73 साल पहले फिलिप से शादी हुई थी और महारानी ने उन्हें अपनी ताकत और ठहराव करार दिया था।

दुनिया का सबसे बड़ा खरगोश गायब, खोजने वाले को इनाम

लंदन । दुनिया का सबसे बड़ा खरगोश गायब हो गया है। डेरियस नाम का यह खरगोश 1.2 मीटर का है और करीब एक हफ्ते से गायब है। स्थानीय पश्चिम मर्सिया पुलिस ने बताया कि इस कॉन्टिनेंटल जायंट खरगोश को उसके बाड़े से चुरा लिया गया। यह अपने मालिकों के बगीचे में था। साल 2020 में इसने अपना नाम गिनेस बुक ऑफ रेकॉर्ड्स में दर्ज कराया था। इसे खोजने वाले को 2,000 डालर यानी कम से कम 2 लाख रुपये के इनाम का ऐलान किया गया है। डेरियस फ्लेमिश जायंट है जो धरती पर खरगोशों की सबसे विशाल प्रजाति है। मैरीलैंड जू के मुताबिक इनका वजन 7 किलो तक हो सकता है और लंबाई 0.76 मीटर। ये घरेलू होते हैं और 300 साल पहले इन्हें मीट और फर के लिए पाला जाता था।

अमेरिका ने 6 चार कंपनियों को ब्लैक लिस्ट में डाला

ताशकंद । अमेरिका ने रूसी कंपनियों को फर्जी दस्तावेजों की मदद से प्रतिबंधों से बचाने के आरोप में छह पाकिस्तानी नागरिकों और उनकी चार कंपनियों पर पाबंदी लगा दी है। अमेरिका ने 2020 के राष्ट्रपति चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश के बाद मॉस्को पर प्रतिबंध लगाए थे।अमेरिकी राजकोष विभाग द्वारा जारी बयान में कहा कि सेकंड आई सॉल्यूशन (एसईएस) जिसे 'फॉरवार्डेज के नाम से भी जाना जाता है, को 3 अन्य कंपनियों-फ्रेस एयर फार्म हाउस, लाइक वाइस और एमके के साथ प्रतिबंधित किया जाता है। इसके अलावा पाकिस्तानी नागरिक मोहसिन रजा, मुजताब रजा, सैयद हसनैन, मुहम्मद हयात, सैयद रजा और शहजाद अहमद पर भी पाबंदी लगाई जाती है।

कोरोना ने छीनी 30 लाख से ज्यादा जिंदगी,हर जगह मची तबाही

लंदन ■ एजेंसी

दुनिया भर में कोरोनावायरस से मौतों का आंकड़ा 30 लाख के पार हो चुका है। कोविड-19 के नए स्ट्रेन ने कई देशों की हालत बिगाड़ दी है। कई देश वैक्सीनेशन बढ़ाकर वायरस को फैलने से रोकने की कोशिश कर रहे हैं। दुनिया में 28 सितंबर तक 10 लाख मौतें हुई थीं। अगली 10 लाख मौत सितंबर से लेकर 21 फरवरी तक (5 महीने से भी कम समय में) हुईं। इसके बाद मरीजों की मौत का सिलसिला तेजी से बढ़ा है। 10 लाख लोगों की मौत मात्र 2 महीने के अंदर ही हुई है। मरीजों की मौत के मामले में अमेरिका पहले नंबर पर, ब्राजील दूसरे और मैक्सिको तीसरे नंबर पर है। इसके बाद चौथे नंबर पर भारत का नंबर है। यहां मौत के मामले पिछले कुछ दिनों में तेजी से बढ़े हैं।

ट्रंप की पार्टी के 91 फीसदी नेताओं ने नहीं पहना मास्क

दुनिया में जब महामारी की शुरूआत हुई तो दो एजेंसियों ने सर्वे किया। इसमें से एक न्यूक्लियर थ्रेट इनिशिएटिव और दूसरी जॉन हॉकिंग सेंटर फॉर हेल्थ सिक्युरिटी थी। इन दोनों ने 195 देशों में सर्वे किया। दावा था कि अमेरिका में इससे निपटने के लिए सबसे अच्छे प्रबंध होंगे, लेकिन हुआ इसके ठीक उलट। अमेरिका में अब तक 5

लाख 64 हजार लोगों की मौत वायरस से हो चुकी है। वहां, परेशानियों का दौर पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समय शुरू हुआ। शुरूआत में उन्होंने इसे एक बीमारी मानने से ही इनकार कर दिया, लेकिन बाद में उन्हें गलतियों का अहसास हुआ। पिछले साल 11 जुलाई तक ट्रंप ने मास्क नहीं पहना। प्यू रिसर्च ने एक रिपोर्ट में बताया कि ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी के 29 फीसदी नेता ही मास्क पहनते हैं। शुरूआत में टेस्टिंग भी कम की। तब उन लोगों का ही टेस्ट किया जा रहा था, जिनमें कोरोना के लक्षण ज्यादा थे।

ब्राजील में जुलाई तक आंकड़ा पहुंच सकता है 5 लाख

कोरोना वायरस से ब्राजील में अब तक 3 लाख 68 हजार लोगों की मौत हो चुकी है। यहां भी शुरूआत में लोगों के इलाज में लापरवाही बरती गई। ब्राजील के राष्ट्रपति जेयर बोलसोनारो ने तो कोरोना को एक सामान्य बुखार बता दिया और देश में लॉकडाउन लगाने से इनकार कर दिया। वॉशिंगटन यूनिवर्सिटी की रिसर्च के मुताबिक ब्राजील में जुलाई 2021 तक मौत के आंकड़े 5 लाख के पास हो सकते हैं। ब्राजील के अधिकतर अस्पतालों में अभी से इंटेंसिव केयर यूनिट फुल हो चुके हैं और नए मरीजों की भर्ती बंद कर दी गई है।ब्राजील अपनी पूरी आबादी के वैक्सीनेशन के लायक वैक्सीन ऑर्डर कर चुका है।बाकी देशों की तुलना में मैक्सिको पर कोरोना वायरस से हुए नुकसान का कारण अलग है।

पहली बार भारत में मिले इस वायरस ने अपना रूप बदला है

अस्पतालों में बेड की कमी एंबुलेंस में दम तोड़ रहे मरीज

बेड नहीं होने की वजह से उनके मरीज को दाखिल नहीं किया गया। इस वजह से मरीज की मौत हो गई।सोशल मीडिया पर देर रात कई वीडियो अस्पताल से वायरल हुए, जिसके बाद आनन-फानन में स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन अस्पताल का निरीक्षण करने पहुंचे।

■ नईदिल्ली

दिल्ली में हर बीतते दिन के साथ हालात बिगड़ते जा रहे हैं। सरकार और प्रशासन की तमाम कोशिशों के बावजूद अस्पतालों में बेड अपनी क्षमता से अधिक भरे हुए हैं। किसी तरह से एंबुलेंस की व्यवस्था कर अगर मरीज अस्पताल पहुंच भी रहे हैं तो वहां लंबी लाइन लगी हुई है।मरीजों को भर्ती होने के लिए एंबुलेंस में ही घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। दिल्ली के प्रतिष्ठित लोक नायक जयप्रकाश नारायण और जीटीबी जैसे अस्पतालों तक में हालात यह हैं कि एक ही बेड पर दो मरीजों का इलाज किया जा रहा है। हालात यह हैं कि शनिवार देर रात लोकनायक अस्पताल के आपातकालीन विभाग के बाहर दो मरीजों ने एंबुलेंस में दम तोड़ दिया। परिजनों का आरोप है कि वे आधा घंटे से एंबुलेंस में भर्ती होने का इंतजार कर रहे थे। बेड नहीं होने की वजह से उनके मरीज को दाखिल नहीं किया गया। इस वजह से मरीज की मौत हो गई।सोशल मीडिया पर देर रात कई वीडियो अस्पताल से वायरल हुए, जिसके बाद आनन-फानन में स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन अस्पताल का निरीक्षण करने पहुंचे। स्वास्थ्य मंत्री ने आपातकालीन विभाग के बाहर तीमारदारों से बातचीत की। साथ ही अस्पताल में उनके मरीजों को भर्ती कराने का आदेश दिया। देर रात अस्पताल में निरीक्षण करने पहुंचे स्वास्थ्य मंत्री ने सोशल मीडिया पर लिखा कि दिल्ली के सबसे बड़े कोविड विशेष अस्पताल लोकनायक में रात को दौरा करते हुए तीमारदारों से मुलाकात की। इस दौरान तीमारदारों से अपील की गई कि होम आइसोलेशन में रहकर भी बेहतर उपचार लिया जा सकता है।

वहीं स्वास्थ्य मंत्री अस्पताल प्रबंधन के अधिकारियों को भीड़ प्रबंधन के निर्देश भी दिए हैं। मंत्री जैन का कहना है कि इस वक्त हर किसी के सहयोग की आवश्यकता है। जिन मरीजों को लक्षण नहीं है या फिर उन्हें संक्रमित होने के बाद थोड़ी बहुत दिक्कत हो रही है तो ऐसे मरीज घर पर होम आइसोलेशन में रहकर भी उपचार ले सकते हैं। हालांकि अस्पताल के बाहर बिस्तर न मिलने से दो मरीजों की मौत होने के आरोपों को लेकर जानकारी नहीं मिली। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सुरेश कुमार ने भी देर रात कोई जानकारी नहीं दी।

ईरान में 5.9 तीव्रता का भूकंप, जमीन से 10 किमी गहराई में एपिसेंटर बना

तेहरान। ईरान में रविवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 5.9 मापी गई। इसका असर फारस की खाड़ी सहित दक्षिणी पश्चिमी हिस्से तक महसूस किया गया। अब तक मिली जानकारी के मुताबिक किसी भी तरह के जान-माल के नुकसान की खबर सामने नहीं आई है।

ईरान स्टेट टेलीविजन के मुताबिक, भूकंप की तीव्रता 5.9 मैग्निट्यूड दर्ज की गई है। इसके तुरंत बाद 4.5 मैग्निट्यूड के भूकंप के झटके भी दर्ज किए गए। वर जियोलॉजिकल सर्वे ने इस भूकंप की तीव्रता 5.8 मैग्निट्यूड बताई है। इसका एपिसेंटर पोर्ट सिटी के बंदरगाह के पास बताया गया है, जो जमीन से 10 ङ्क्ट गहराई में था।

100 ङ्क्ट दूरी पर स्थित है न्यूक्लियर प्लांट

5 से ज्यादा की तीव्रता वाले इस भूकंप से काफी नुकसान हो सकता है। इस तरह के भूंकप से अक्सर व्यापक क्षति देखने को मिलती है। जहां भूकंप आया वहां 100 ङ्क्ट दूरी पर ईरान का बुशहर न्यूक्लियर प्लांट स्थित है।

2003 में हो चुकी है 26 हजार लोगों की मौत

इससे पहले भी ईरान भूंकप से होने वाली तबाही का सामना कर चुका है। 2003 में यहां के बाम शहर में 6.6 मैग्निट्यूड का भूकंप आया था। इस दौरान 26000 लोगों की जान गई थी। इससे पहले दक्षिणी ईरान में साल 2017 के 7 मैग्निट्यूड के भूंकप में 600 लोगों की जान गई थी, वहीं 9000 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। मालूम हो कि इससे पहले भी इरान में भूकंप का साया पड़ चुका है।

रूस ने तैनात किए 40 हजार सैनिक, सैन्य उपकरण

कीव । यूक्रेन और रूस के बीच तनाव गहराता जा रहा है। यूक्रेन के राजनयिकों ने रूस की सेना को दूसरे विश्व युद्ध के बाद सबसे बड़ा सैनिकों का मूवमेंट बताया है। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति जो हाइडेन ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से तनाव कम करने और किसी भी तरह के सैन्य ऐक्शन से बचने की अपील की है। यूक्रेन की सेना के सार्जेंट साशा लोवेंको ने बताया कि सीमा पर सैनिकों और उपकरण में बढ़त देखी जा सकती है और अगर हमला होता है तो जवाब देने की तैयारी है। इससे पहले यूक्रेन की तीन गनबोट्स के रूसी जहाजों पर फायर करने की नौबत आ गई थी।

यूक्रेन की सरकार ने अनुमान लगाया है कि क्रीमिया में 40 हजार सैनिक और सैन्य उपकरण लगाया जा रहा है और पूर्वी सीमा पर भी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेन्सकी 15 अप्रैल को पेरिस गए था। यहां उन्होंने पुतिन के साथ फ्रांस के राष्ट्रपति इम्मैन्युअल मैक्रों और जर्मन चांसलर एंजेला मार्केल के साथ बातचीत की थी। कुछ दिन पहले पुतिन के आदेश पर रूसी सेना में रोबोट टैंक की यूनिट्स को एक्टिव कर दिया गया था।

रूस के इस कदम को तीसरे विश्वयुद्ध की तैयारी से जोड़कर देखा जा रहा है। क्योंकि, नाटो में शामिल यूक्रेन के पक्ष में भी अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी और तुर्की समेत कई देश खुलकर आ गए हैं।

पुतिन ने दी चेतावनी

इसके बाद पुतिन ने अमेरिका समेत यूरोपीय देशों को चेतावनी देते हुए तनाव न भड़काने की सलाह दी थी। रूसी सेना के सैनिकों और हथियारों के यूक्रेन बॉर्डर की तरफ बढ़ते काफिले को देख पूरी दुनिया में दहशत है। वहीं, जर्मनी की चांसलर एंजेला मर्केल के फोन के जवाब में रूस ने दो टूक लहजे में कहा है कि वह अपने देश के अंदर सेना के किसी भी मूवमेंट को करने के लिए स्वतंत्र है।

महाराष्ट्र में ऑक्सीजन और रेमडेसिविर की कमी दूर हुई - आदित्य ठाकरे

नई दिल्ली । महाराष्ट्र के मंत्री आदित्य ठाकरे ने कहा है कि अब महाराष्ट्र ऑक्सीजन को लेकर काफी स्टेबल हो गया है, रेमडेसिविर की कालाबाजारी रोकने की कोशिशें जारी हैं। उन्होंने एक टीवी चैनल के कार्यक्रम में कहा कि केंद्र के साथ सहयोग से ऑक्सीजन और रेमडेसिविर की कमी दूर हुई है। उन्होंने कहा कि कोरोना की दूसरी लहर इतनी स्ट्रांग होगी ये सोचा नहीं था, लेकिन तीसरी लहर के बारे में तैयार रहना होगा।बेड्स को लेकर कितना इंतजाम है? इसे लेकर आदित्य ने कहा कि हमने जंबो सेंटर बनाए हैं, जंबो सेंटर महाराष्ट्र में ही सबसे पहले बने इनमें 5 लाख के आसपास महाराष्ट्र में बेड्स बनाए गए हैं। आदित्य ने कहा "जिन युवाओं में संक्रमण का डर नहीं, वो लापरवाही बरत रहे हैं। ये सर्दी खांसी जुकाम नहीं है। मैंने ऐसे कई लोगों को देखा है जिन्होंने टेस्ट नहीं करवाया और उनकी मौत हो गई। इसे बिल्कुल भी हल्के में न लें।

कोरोना महामारी के एक वर्ष से अधिक समय बाद, ईस्ट हैम्पटन शहर में कुछ व्यवसाय मालिकों को इस क्षेत्र के भविष्य के लिए आशावादी बना दिया है, हालांकि अन्य उद्योग-विशिष्ट कठिनाइयों से प्रभावित हुए हैं

पाक को रूस की मदद की खबर बकवास

मास्को । वैश्विक मंच पर एक बार फिर पाकिस्तान की किरकिरी हुई है। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के पाकिस्तान दौरे के बाद दावा किया गया कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने हर मोर्चे पर आर्थिक सहायता मुहैया कराने का प्रस्ताव दिया है। जिसे रूसी राजनयिकों ने अब झूठा करार दिया है। रूस के राजनयिकों ने ब्लैंक चेक वाले पाकिस्तान के दावे को झूठा प्रसार और फेक न्यूज का हिस्सा बताया है। दरअसल पाकिस्तानी मीडिया में इमरान खाने के ब्लैंक चेक वाले बयान को छापा था, जिसके बाद रूसी राजनयिकों ने इसे फेक न्यूज बताया है।

अमेरिका में उपराष्ट्रपति को नर्स ने दी जान से मारने की धमकी, गिरफ्तार

ह्यूस्टन । अक्सर किसी न किसी बड़े ओहदे पर पदस्थ अधिकारी या फिर किसी नेता को जाने से मारने की धमकी तो मिल ही जाती है। अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ।

दरअसल, उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को एक नर्स ने जान से मारने की धमकी थी, जिसके बाद तुरंत ही मामले पर एक्शन लेते हुए पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। अमेरिकी इंटेलिजेंस सर्विस के अनुसार, नर्स की पहचान निवियाने पेटिट फेल्प्स के रूप में की गई है, जो कि 39 साल की है। आरोपी नर्स ने अपने धमकी भरे शब्दों में कहा, मैं बंदूक से मारने जा रही हूं, तुम मरने जा रही हो।

जेल में बंद पति को भेजा था वीडियो

निवियाने को अमेरिकी खुफिया सेवा की जांच के बाद फ्लोरिडा से पकड़ा गया। आरोपी के खिलाफ जो मामला दर्ज किया गया है उसके अनुसार फेल्प्स ने 13 फरवरी से 18 फरवरी के बीच जानबूझकर उपराष्ट्रपति को जान से मारने और शारीरिक नुकसान पहुंचाने की धमकी दी थी। वह जैक्सन हेल्थ सिस्टम से जुड़ी है। आरोपों के अनुसार उसने जेल में बंद अपने पति को वीडियो भेजकर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के खिलाफ नफरत भरे शब्दों का इस्तेमाल किया था। उसके खिलाफ दर्ज शिकायत में कहा गया कि फेल्प्स ने कमला हैरिस को मारने जैसी बातें भी वीडियो में कही हैं।

खगोलीय

धरती से टकराने की सूरत में एक आपातकालीन प्लान बनाया जा सके।

धरती से टकराया ऐस्टरॉइड तो आएगी तबाही

लंदन ■ एजेंसी

धरती से ऐस्टरॉइड के टकराने की आशंकाओं के बीच विशेषज्ञों ने आगाह किया है कि अगर ऐसा संकट कभी आता है तो इससे न केवल तबाही आएगी बल्कि दुनिया में मानवाधिकारों का गंभीर संकट पैदा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर ऐस्टरॉइड के टकराने का खतरा मंडराता है तो इससे विश्वभर में शरणार्थियों का बड़ा संकट शुरू हो जाएगा और लोग यूरोप तथा अमेरिका को छोड़कर एशिया, पश्चिम एशिया और प्रशांत महासागर की ओर जा सकते हैं। इसी खतरे को देखते हुए अंतरिक्ष विशेषज्ञ इस महीने एक साथ आ रहे हैं ताकि

ऐस्टरॉइड के धरती से टकराने की सूरत में एक आपातकालीन प्लान बनाया जा सके। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि हमें न केवल ऐस्टरॉइड के टकराने के शुरूआती असर से निपटने की तैयारी करनी होगी बल्कि उसके बाद पैदा होने वाले मानवाधिकारों के संकट से निपटने के लिए तैयार रहना होगा।

पूरी दुनिया में शरणार्थी संकट पैदा हो जाएगा

वियना में आगामी 26 अप्रैल से 30 अप्रैल के बीच में प्लेनेटरी डिफेंस कॉन्फ्रेंस होने जा रहा है। इस बैठक में अंतरिक्ष मामलों के विशेषज्ञ यह चर्चा करेंगे कि अगर कोई ऐस्टरॉइड जैसी चीज धरती के पास वास्तविक रूप से आती है तो उसे लेकर क्या करना चाहिए। वैज्ञानिकों एक कल्पना के ऐस्टरॉइड की मदद से अपनी तैयारियों को परखेंगे। साथ ही उससे बचाव के तरीकों पर काम करेंगे। इस दौरान वैज्ञानिक यह जानने की कोशिश करेंगे कि यह ऐस्टरॉइड धरती के किस हिस्से से टकराएगा। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि किसी छोटे ऐस्टरॉइड के टकराने से कुछ किलोमीटर तक और अगर कोई बड़ा ऐस्टरॉइड टकराता है तो उसका असर कई सौ किलोमीटर तक हो सकता है।

इलाकों में बाढ़ आ सकती है।

उनका कहना है कि अगर हम पहले से तैयारी नहीं करते हैं तो इस विस्फोट में लाखों लोगों की जान जा सकती है। तटीय इलाकों में बाढ़ आ सकती है। इससे पूरी दुनिया में शरणार्थी संकट पैदा हो जाएगा। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि अमेरिका और यूरोप में ऐस्टरॉइड टकरा सकते हैं

संपादकीय

रैलियां बंद हों

देश में कोरोना के नए मरीजों की संख्या 2 लाख रोजाना के रेकॉर्ड लेवल तक पहुंच गई है। 10 रोज पहले ही यह संख्या 1 लाख तक पहुंची थी। यह अभूतपूर्व तेजी है, लेकिन दुख की बात यह है कि इसे रोकने के लिए जो किया जा सकता था, वह भी नहीं हो रहा। खासतौर पर राजनीतिक दलों का रवैया अफसोसनाक है। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और असम में विशाल चुनावी रैलियां हुईं और बाकी राज्यों की तरह पिछले 15 दिनों में वहां भी कोरोना के एक्टिव मामलों में 100 से 500 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। बंगाल जहां 8 चरणों में 29 अप्रैल तक मतदान हो रहा है, वहां 30 मार्च को कोरोना के 628 नए मरीजों का पता चला था, जो 13 अप्रैल को 4,817 तक पहुंच गया। तमिलनाडु, केरल और असम में भी कोरोना के नए मरीजों की संख्या में कई गुना की बढ़ोतरी हुई है। पांच में से चार राज्यों में चुनाव हो चुके हैं, सिर्फ बंगाल में चार चरणों का मतदान बाकी है। अभी तक सिर्फ सीपीएम के नेतृत्व वाले लेफ्ट फ्रंट ने कहा है कि वह आगे से कोई बड़ी रैली नहीं करेगा। इस बीच, पश्चिम बंगाल के मुख्य चुनाव अधिकारी ने शुक्रवार को एक सर्वदलीय बैठक बुलाई है, जिसमें वह महामारी के दौर में चुनाव प्रचार को लेकर अपने दिशानिर्देश दोहराएंगे। वह बाकी के चरणों के चुनाव के लिए वर्चुअल रैलियों को प्रोत्साहित करेंगे। अच्छा हो कि राजनीतिक दल खुद ही पहल करके राजनीतिक रैलियां बंद कर दें, चाहे वे छोटी हों या बड़ी। वे वर्चुअल माध्यमों से चुनाव प्रचार करें। यह उनका दायित्व है और नैतिक जिम्मेदारी भी। वैसे भी जनता से उन्हें जो भी कहना था, वे कह चुके हैं। उत्तर प्रदेश के पंचायत चुनाव ने भी कोरोना संक्रमण के लिहाज से बड़ी चुनौती पेश की है, 14 अप्रैल को यहां डेली केसों की संख्या 20 हजार पार कर गई, जो कि राज्य के लिए एक रेकॉर्ड है। पंचायत चुनाव के अभी तीन चरण बाकी हैं। अच्छा होता, अगर इन चुनावों को टाल दिया जाता। एक और सुपर-स्प्रेडर इवेंट हरिद्वार में चल रहा कुंभ है। बुधवार को वहां तीसरा शाही स्नान था, जिसमें 14 लाख लोग शामिल हुए। यह संख्या अपने आप में इतनी बड़ी है कि इससे महामारी और बेलगाम हो सकती है। 10 अप्रैल के बाद से कुंभ में 1,278 लोग कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। इनमें 18 संत भी शामिल हैं। इस पर उत्तराखंड सरकार का रुख हैरान करने वाला है। मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत कह रहे हैं कि यहां गंगा मां की कृपा है, इसलिए कोरोना नहीं फैलेगा। सत्ता में बैठे लोगों को स्थिति की गंभीरता को देखते हुए ऐसी बातों से बचना चाहिए। महामारी की दूसरी लहर की मार कम करने के लिए बहुत कुछ किया जा सकता है, अच्छा हो कि सरकारें, चुनाव आयोग, राजनीतिक दल और आम लोग उस पर अमल करें।

यह तो जनता की वेदना का क्रूर उपहास है..!

अजय बोकिल

> इस पर राज्य के कांग्रेस नेता व पूर्व मंत्री जीतू पटवारी की टिप्पणी थी कि पटेल ने जो कहा वह कोरोना विभीषिका में राज्य सरकार की असंवेदनशीलता का ही परिचायक है। हालांकि प्रेम सिंह पटेल ने बाद में अपनी सफाई में कहा कि उनके बयान को गलत ढंग से प्रस्तुत किया गया। उनके कहने का तात्पर्य यह था कि जो मौतें हो रही हैं, इन्हें कोई नहीं रोक सकता। कोरोना से बचने के लिए सब लोग सहयोग की बात कर रहे हैं, विधानसभा में हम सबसे चर्चा कर रहे हैं...।

इसे मध्यप्रदेश में कोरोना कहर से जूझने में असहायता से उपजा श्मशान वैराग्य कहें अथवा एक आध्यात्मिक सत्य का राजनीतिक उद्घोष कि जो उम्रदराज है, उसे जाना ही है। फिर जाने का निमित्त चाहे कोरोना ही क्यों न हो। और जब जाना ही है तो काहे का गम? इस आशय के उद्गार मध्यप्रदेश के एक कैबिनेट मंत्री प्रेमसिंह पटेल के हैं, जिन्होंने ये मीडिया के इस सवाल कि राज्य में कोरोना वायरस से होने वाली मौतों के आंकड़ों को सरकार छिपा क्यों रही है, के जवाब में व्यक्त किए। पटेल आदिवासी बहुल बड़वानी जिले से आते हैं और उन्होंने जो कहा वह सहज अभिव्यक्ति ही थी। इस पर राज्य के कांग्रेस नेता व पूर्व मंत्री जीतू पटवारी की टिप्पणी थी कि पटेल ने जो कहा वह कोरोना विभीषिका में राज्य सरकार की असंवेदनशीलता का ही परिचायक है। हालांकि प्रेम सिंह पटेल ने बाद में अपनी सफाई में कहा कि उनके बयान को गलत ढंग से प्रस्तुत किया गया। उनके कहने का तात्पर्य यह था कि जो मौतें हो रही हैं, इन्हें कोई नहीं रोक सकता। कोरोना से बचने के लिए सब लोग सहयोग की बात कर रहे हैं, विधानसभा में हम सबसे चर्चा कर रहे हैं...। हर जगह डॉक्टरों की व्यवस्था की गई है। और आप कह रहे हैं रोजाना बहुत लोग मर रहे हैं तो लोगों की उम्र हो जाती है तो मरना भी पड़ता है। बेशक मंत्री पटेल ने जो कहा वह यथार्थ ही है।

मध्य प्रदेश में कोरोना से मौतों का आंकड़ा 4300 के पार हो चुका है। यह सिलसिला कम होने का नाम नहीं ले रहा। आलम यह है कि श्मशान में चिता रचने वालों की हथेलियों में छाले पड़ गए हैं और कब्रिस्तान में कब्र खोदने वालों के हाथ

थक चुके हैं। शव जलाने के लिए लकड़ी कब्र में डालने के मिट्टी तक का टोटा पड़ गया है। लाशों के बीच जीने वाले इन लोगों को भी अब गश आने लगा है। अस्पतालों में कई मरीज जमीन पर पड़े हैं, क्योंकि बेड ही नहीं हैं। बेड हैं तो दवा और ऑक्सीजन नहीं है। राज्य में कोरोना का नया स्ट्रेन आंतकियों की तरह हमला कर रहा है। इसका व्यवहार डॉक्टर भी ठीक से नहीं समझ पा रहे हैं। जांच रिपोर्टें भी कई बार भ्रमित कर रही हैं। अब तो अस्पतालों में ऑक्सीजन भी रिश्वत देकर छीनने और नकली रेमडिसीवर इंजेक्शन के मामले सामने आ रहे हैं। कब कौन पॉजिटिव होकर समुचित इलाज के अभाव में इस फानी दुनिया से रूखसत हो जाएगा, कहना तो दूर सोचना भी मुश्किल है। लगता है मौत चारो तरफ से अपना शिकंजा कसती जा रही है। बेशक राज्य सरकार जागी है, लेकिन देर से। मुख्यशमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने अपने हाथ में कमान सम्हाली है। राज्य के स्वास्थ्य आयुक्त को हटा दिया गया है। कोरोना से जूझने सलाह देने एक उच्चस्तरीय कमेटी नोबेल विजेता कैलाश सत्यार्थी की अगुवाई में बनाई गई है। लेकिन कोरोना के तांडव को रोकने के लिए जरूरी कदम दो माह पहले ही उठाए गए होते तो शायद स्थिति इतनी खराब नहीं होती। लेकिन सरकार की प्राथमिकताओं में तब शायद चुनाव और दूसरे मुद्दे ज्यादा थे। कोरोना की दूसरी लहर इतनी विनाशकारी सिद्ध होगी, इस बारे में अपेक्षित गंभीरता से सोचा ही नहीं गया। लग रहा था कि कोरोना से लड़ाई केवल नसीहतों और उत्सवों की ताल पर ज्यादा लड़ी जा रही है। अब जब हालात बेकाबू होते दिखे, तब हेलीकॉप्टर से इंजेक्शन, दवाइयां और वैक्सीन मंगवाने की व्यवस्था की जा रही है। जब तक ये जरूरतमंदों तक पहुचेंगे तब तक कितनी सांसें थम चुकी होंगी, यह सोच भी डरावनी है। सबसे बड़ा संकट प्राणवायु ऑक्सीजन का है। वह भी हम ठीक से नहीं दे पा रहे हैं। उधर नेताओं का चुनावी उत्साह भी अब जाकर ठंडा पड़ा है, जबकि कितने ही वोटसदा के लिए वोटर लिस्ट से बाहर हो चुके हैं।

कह सकते हैं कि जब चौतरफा ऐसी असहायता और अनिश्चय की स्थिति है तो राजनेता भी इंसान ही हैं। सार्वजनिक बयानों में वो कुछ भी शगुफेबाजी करें, भीतर की बात तो आत्मा ही जानती है। यह सही है कोरोना के रूप में ऐसी भारी विपदा आन पड़ी है कि उसका अंदाजा शायद किसी को नहीं था। लेकिन अब तो यह दूसरी बार है। पिछले साल हमे काफी अनुभव हुए हैं। लिहाजा ऐसी विपदा आने पर क्या, कैसे और कितना करना चाहिए, इसकी आयोजना तो होनी ही चाहिए। विपक्ष का आरोप है कि जब राज्य में कोरोना की लहर तेज हो रही थी, उस वक्त प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री चुनाव प्रचार में ही उलझे हुए थे। और जब वो अपने असल काम पर लौटे तब तक बहुत देर हो चुकी है।

इधर लोग अस्पतालों में बेड, रेमडिसीवर, वैक्सीन और ऑक्सीजन के लिए तरस रहे थे, उधर राजनीतिक दल चुनावी रैलियों, सभाओं और हर कीमत पर सीट जीतने का जौहर दिखाने पर आतुर थे। लेकिन मनुष्य की जीवन रक्षा के लिए ये बुनियादी व्यवस्थाएं करने की जिम्मेदारी किसकी है? अगर यह दायित्व भी जनता का ही है तो उसे किसी को वोट देने की भी क्या जरूरत है? तिस पर लोगों के ऐसे तमाम आर्त सवालों का जवाब समझाइशों और सियासत न करने की नसीहतों से दिया जा रहा था। सचमुच काल के अट्टहास के बीच ऐसा आत्ममुग्ध जश्न मना सकने के लिए भी जिगर चाहिए! हो सकता है जब चीजें हाथ से फिसलती महसूस हों तो इंसान का विश्वास उस सर्वशक्तिमान में और बढ़ जाता है, जिसके बारे में माना जाता है कि वही इस संसार चक्र को चला रहा है। सत्ता के मोह में रात-दिन डूबने-उतराने वाले राजनीतिज्ञों में भवसागर के प्रति यह विरक्ति भाव कभी-कभार झलक ही जाता है। कुछ साल पहले व्यापमं घोटाले में होने वाली लगातार मौतों को लेकर प्रदेश के एक पूर्व मुख्यमंत्री (अब स्वर्गीय) ने बेबाक टिप्पणी की थी।

।। अनमोल वचन ।।

जो दुसरो में बुराई ढूंढते है, उन्हें निश्चित तौर पर बुराई मिल ही जाती है।

> कोविड संकट को देखते हुए, मैंने पश्चिम बंगाल की अपनी सभी रैलियाँ रद्द करने का निर्णय लिया है। राजनैतिक दलों को सोचना चाहिए कि ऐसे समय में इन रैलियों से जनता व देश को कितना ख़तरा है।
>
> राहुल गांधी, कांग्रेस नेता

> भारत में यह दुनिया के और देशों की तुलना में कहीं ज्यादा है। एक सामान्य अनुमान के मुताबिक जहां पूरी दुनिया में एक साल में सेरोगेसी के 500 मामले आते है वहीं अकेले भारत में ये आंकडा 300 को छूता है। भारत में इन दिनों ये बयार तेज है अब सेरोगेसी जरूरत या मजबूरी नहीं बल्कि शौक हो गया है। बॉलीवुड में सरोगेसी की धमक है। अभिनेता, अभिनेत्री इन दिनों इसे चलन के तौर पर देख रहें हैं। हमारे और आपको कानों तक उस खेमे की आवाज इसलिए पहुंची क्योंकि वो सेलिब्रिटी तबका है उनकी हर बात का प्रमोशन उनके जीवन का हिस्सा है।

सरोगेसीः किराए की कोख, मजबूरी या शौक

मेरे पड़ोस में एक आंटी थी जो मुझे और मेरे जैसे कॉलोनी के हर बच्चे को बड़ा दुलारती थी। हम बच्चों को भी अच्छा लगता था जो चाहो खाने को मांग लो जो चाहो उनके घर में करो कभी मना नहीं करती थी। आमतौर पर हमारे घरों में कहां जाता था कि उनको कोई बच्चा नहीं है ना तो उनको बच्चों से बहुत लगाव है। हम बच्चे थे तो हमें बहुत पता नहीं था इस बात का मतलब क्या है। दोनों अंकल आंटी बहुत प्यार से हमारी बच्चा गैंग से मिलते बात करते थे तो वो हम सब के लिए आम लोग जैसे ही थे।

जब बचपन खत्म हुआ तब जान पड़ा कि उनकी प्रेग्नेंसी नहीं हो सकती थी कुछ मेडिकल बिन्दु थे जिससे गभार्धारण में दिक्कत थी। उस समय सरोगेसी शब्द सुनने का था पर शायद सामान्य मध्यमवर्गीय परिवार में इसकी इतनी गुंजाइश नहीं थी तो उस दंपत्ती ने सेरोगेसी की निर्णय नहीं लिया और आज तक वो दोनों बिना संतान के ही हैं और खुश हैं। वैसे मेरा ऐसा मानना है कि मातृत्व सुख पाना महिलाओं का कर्तव्य या त्याग नहीं उनका स्वयं का चुनाव होना चाहिए यदि वो चाहे तो करें या ना करें।

इन दिनों मातृत्व सुख से ज्यादा बात पितृत्व सुख की हो रही और वो भी सेरोगेट मां के जरिये यानी किराये की कोख के जरिये पिता बनना आजकल कई पुरुषों को रास आ रहा। किसी शारीरिक व्याधि अथवा कष्ट की वजह से यदि कोई स्त्री मां नहीं बन सकती तो वह अपना बच्चा किराए की कोख के जरिये पा सकती है।

यूं तो इसकी शुरूआत उन माता-पिता के लिए हुई थी जिनको अपना बच्चा पैदा

करने की मुश्किल हो या उस महिला के लिए है जिसका बार-बार गर्भपात हो रहा हो पर आज के परिदृश्य में ये फैशन सा हो रहा। आर्थिक संपन्नता सिर चढ़कर बोलना सेरोगेसी के बढ़ते मामलों से देखा जा सकता है।

भारत में यह दुनिया के और देशों की तुलना में कहीं ज्यादा है। एक सामान्य अनुमान के मुताबिक जहां पूरी दुनिया में एक साल में सेरोगेसी के 500 मामलें आते है वही अकेले भारत में ये आंकडा 300 को छूता है। भारत में इन दिनों ये बयार तेज है अब सेरोगेसी जरूरत या मजबूरी नहीं बल्कि शौक हो गया है।

बॉलीवुड में सरोगेसी की धमक है। अभिनेता अभिनेत्री इन दिनों इसे चलन के तौर पर देख रहें हैं। हमारे और आपको कानों तक उस खेमें की आवाज इसलिए पहुंची क्योंकि वो सेलिब्रिटी तबका है उनकी हर बात का प्रमोशन उनके जीवन का हिस्सा है।

दूसरी तरफ आर्थिक रूप से संपन्न वो वर्ग जो सेलेब्रिटी तो नहीं है पर उनके बराबर हैसियत वाले हैं वो अब सेरोगेसी को स्टेटस सिंबल के तौर पर ले रहा है। समाज का संभ्रांत वर्ग धनबल पर सेरोगेसी को हल्का कर रहा है। इसकी वजह सही कानून का अभाव भी कह सकते हैं।

दरअसल, किराए की कोख का बाजार हमारे समाज में बहुत तेजी से फलफूल रहा इसका बहुत बड़ा कारण हमारे समाज में महिलाओं की स्थिति भी है। गरीब और लाचार महिलाएं सरोगेसी के लिए आसानी से तैयार हो जाती है। सरोगेसी के जरिए उन्हें अच्छी खासी रकम मिलती है और सेरोगेसी के दौरान इच्छुक दंपत्ती या पक्ष सेरोगेट मां का भरपूर ख्याल भी रखता है।

सरोगेसी से बच्चे पैदा करने वाले एकल पुरुष इन दिनों चर्चा में हैं निश्चित तौर पर ये उनका व्यक्तिगत निर्णय है लेकिन एक शिशु को किराए पर पैदा करवा के लाना और जन्में हर शिशु को उसकी मौलिक आवश्कताओं से वंचित रखना कहां तक सही कहा जाएगा।

एकल पुरुष जो चलन या फैशन में सरोगेसी बच्चा कर लेंगे वो नन्हें शिशु को ममता की छांव कैसे दे पाएंगे कैसे भली भांति उसका पालन पोषण कर पाएंगें। अमृतपान (स्तनपान) जो बच्चे के लिए जरुरी है कैसे संभव हो पाएंगा। 9 महिने कोख में रखने वाली के स्पर्श को वो बच्चा कैसे महसूस करेगा। एक पूर्ण शिशु का जन्म तब माना जाएगा जब जन्म के साथ ही उसके साथ न्याय हो। इस विषय पर बहुत गंभीरता से सोचने की जरुरत है जिसे सिर्फ कोई सेरोगेट मां या कोई दंपत्ती नहीं बल्कि डॉक्टर, वकील और कानून बनाने वाली सरकार मिलकर काम करना होगा।

साल 2016 में सरोगेसी रेगिलेशन बिल आया जिसमें कमर्शियल सेरोगेसी को प्रतिबंधित किया गया और निस्वार्थ सेरोगेसी की अनुमति दी गई और भी कई प्रावधान किए गये जैसे मजिस्ट्रेट की अनुमति,इनफरलिटी का सर्टीफिकेट और कई सारे प्रावधान लेकिन इस कानून का पालन हो रहा या नहीं इस पर सख्ती से पैनी नजर नहीं है जिससे धड़ल्ले से आम से लेकर खास तक इसका दुरुपयोग कर रहा है। वाकई आज एकल पुरुष जिस तरह से अपनी मर्दानगी का प्रमाण पत्र सेरोगेट शिशुओं को बना रहे ये बेहद चिंताजनक विषय है और इस पर कड़े कदम उठाने की आवश्यकता है साथ ही बड़े जागरुकता अभियान की भी।

प्रतीक्षा पांडे

प्रेरक प्रसंग

टूटा अस्पेंस्की का घमंड

अस्पेंस्की रूस के एक महान विचारक और दार्शनिक थे। आरंभिक दिनों में उन्हें अपने ज्ञान पर बहुत घमंड था। उन्हीं दिनों महान विचारक गुर्जिएफ की दूर-दूर तक ख्याति थी। अस्पेंस्की एक बार गुर्जिएफ के पास पहुंचे। उन्होंने उनसे भी धर्म और दर्शन पर बहस करने और कुछ नया जानने की इच्छा प्रकट की। गुर्जिएफ पहुंचे हुए संत और दार्शनिक थे। वह उनके मनोभावों को ताड़ गए। उन्होंने कहा, अस्पेंस्की! मैं अपना और तुम्हारा समय नष्ट नहीं करना चाहता। इसलिए तुम्हें एक सादा कागज दे रहा हू। इसमें तुम जो कुछ जानते हो और जो नहीं जानते हो, दोनों लिख दो। क्योंकि जो तुम पहले से जानते हो उस पर चर्चा करना व्यर्थ है। जो तुम नहीं जानते हो, उसी पर चर्चा होगी। बात एकदम सीधी थी। लेकिन अस्पेंस्की के लिए अपने ज्ञान और अज्ञानता की स्थिति को व्यक्त करना बड़ा कठिन काम था। वह उलझन में पड़ गए। उन्हें ज्ञान का जितना अभिमान और अहंकार था, सब चकनाचूर हो गया। अस्पेंस्की सोचने लगे कि वह क्या नहीं जानते हैं। पहले कुछ विषय दिमाग में आए फिर कुछ और। फिर और गहराई से सोचा तो और ज्यादा विषय प्रकट हुए। अंत में उन्हें लगा कि वे किसी विषय में गहराई से कुछ नहीं जानते। अंत में उन्होंने कोरा कागज गुर्जिएफ के चरणों में रख दिया और बोले, महाराज, मैं कुछ नहीं जानता। आपने मेरी आंखें खोल दी हैं।गुर्जिएफ बोले, ठीक है, तुमने जानने योग्य सबसे महत्वपूर्ण और पहली बात जान ली है कि तुम कुछ नहीं जानते। यही ज्ञान की पहली सीढ़ी है। अब तुम्हें कुछ सिखाया-बताया जा सकता है। अस्पेंस्की को समझ आ गया कि ज्ञान अनंत है, सीमाहीन है। हर व्यक्ति को सदैव सीखने के लिए तैयार रहना चाहिए। कभी यह घमंड नहीं करना चाहिए कि मैं सब जानता हूं। अहंकार अज्ञानता का सबसे बड़ा कारण है।

राजनीतिः सेवा नहीं, मेवा है

देश के सिर्फ पांच राज्यों में आजकल चुनाव हो रहे हैं। ये पांच राज्य न तो सबसे बड़े हैं और न ही सबसे अधिक संपन्न लेकिन इनमें इतना भयंकर भ्रष्टाचार चल रहा है, जितना कि हमारे अखिल भारतीय चुनावों में भी नहीं देखा जाता। अभी तक लगभग 1000 करोड़ रु. की चीजें पकड़ी गई हैं, जो मतदाताओं को बांटी जानी थीं। इनमें नकदी के अलावा शराब, गांजा-अफीम, कपड़े, बर्तन आदि कई चीजें हैं। गरीब मतदाताओं को फिसलाने के लिए जो भी ठीक लगता है, उम्मीदवार लोग वही बांटने लगते हैं। ये लालच तब ब्रह्मास्त्र की तरह काम देता है, जब विचारधारा, सिद्धांत, जातिवाद और संप्रदायवाद आदि के सारे पैंतरे नाकाम हो जाते हैं। कौनसी पार्टी है, जो यह दावा कर सके कि वह इन पैंतरों का इस्तेमाल नहीं करती ? बल्कि, कभी-कभी उल्टा होता है। कई उम्मीदवार तो अपने मतदाताओं को रिश्वत नहीं देना चाहते हैं लेकिन उनकी पार्टियां उनके लिए इतना धन जुटा देती हैं कि वे रिश्वत का खेल आसानी से खेल सकें। पार्टियों के चुनाव खर्च पर कोई सीमा नहीं है। हमारा चुनाव आयोग अपनी प्रशंसा में चुनावी भ्रष्टाचार के आंकड़े तो प्रचारित कर देता है लेकिन यह नहीं बताता कि कौनसी पार्टी के कौनसे उम्मीदवार के चुनाव-क्षेत्र में उसने किसको पकड़ा है। जो आंकड़े उसने प्रचारित किए हैं, उनमें तमिलनाडु सबसे आगे है। अकेले तमिलनाडु में 446 करोड़ का माल पकड़ा गया है। बंगाल में 300 करोड़, असम में 122 करोड़, केरल में 84 करोड़ और पुदुचेरी में 36 करोड़ का माल पकड़ा गया है। कोई राज्य भी नहीं बचा। याने चुनावी भ्रष्टाचार सर्वव्यापक है। 2016 के चुनाव के मुकाबले इन विधानसभाओं के चुनाव में भ्रष्टाचार अबकी बार लगभग पांच गुना बढ़ गया है। भ्रष्टाचार की इस बढ़ोतरी के लिए किसको जिम्मेदार ठहराया जाए? क्या नेताओं और पार्टियों के पास इतना ज्यादा पैसा इन पांच वर्षों में इकट्ठा हो गया है कि वे लोगों को खुले हाथ लुटा रहे हैं ? उनके पास ये पैसा कहां से आया ? शुद्ध भ्रष्टाचार से! अफसरों के जरिए वे पांच साल तक जो रिश्वतें खाते रहते हैं, उसे खर्च करने का यही समय होता है। हमारी चुनाव-पद्धति ही राजनीतिक भ्रष्टाचार की जड़ है। इसे सुधारे बिना भारत से भ्रष्टाचार कभी खत्म नहीं हो सकता।

जलवायु परिवर्तन पर हो सार्थक बहस

जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर वर्तमान सरकार द्वारा जो बातें कही जा रही हैं, वह दशकों से हो रही हैं। इंदिरा गांधी के जमाने से ही यह बात होती आ रही है कि पर्यावरण विनाश की जिम्मेदारी विकसित देशों पर अधिक है, लेकिन बीच में हमारी सरकार यह स्वीकार करने लग गयी। विकसित देशों के दबाव में आकर हमने स्वीकारना शुरू कर दिया कि हम उत्सर्जन में 20-25 प्रतिशत की कमी कर देंगे।

यह नयी बात छेड़ दी गयी। विकसित और विकासशील देश में फर्क है और निश्चित ही ज्यादा जिम्मेदारी विकसित देशों की है, लेकिन यही बात देश के अंदर लागू की जाए, तो यहां भी कुछ लोग विकसित हैं और कुछ लोग विकासशील हैं। कुछ लोग अविकसित भी हैं। हमारे देश का औसत कार्बन फुटप्रिंट दुनिया के अन्य देशों के मुकाबले काफी कम है। भारत में प्रति व्यक्ति कार्बन उत्सर्जन कम है, लेकिन देश के अंदर जो लोग विकसित हैं, उनकी ऊर्जा खपत और कार्बन उत्सर्जन में भागीदारी विकसित देशों के समृद्ध लोगों के बराबर ही है।

अमीरों के रहन-सहन, चाल-चलन का हिसाब निकालें, तो वह दुनिया के अन्य समृद्ध लोगों के बराबर हैं। ऐसे में देश के भीतर भी विकसित लोगों को अपनी जिम्मेदारी का एहसास होना चाहिए। जब सरकार कहती है कि हम उत्सर्जन में कटौती करेंगे, तो यह दबाव अमीर पर आना चाहिए। अगर वे 80 प्रतिशत घटायेंगे, तो भी देश का औसत 20 प्रतिशत बैठेगा। मध्यम वर्ग और कम आय वर्ग पर अधिक जोर नहीं डालना चाहिए। गरीबों को सचेत करना तो ठीक है, लेकिन अमीरों को भी सचेत होना चाहिए। देश में कई ऐसे परिवार हैं, जिनके पास एक से अधिक गाड़ियां ही नहीं, बल्कि गाड़ियों का काफिला होता है। गाड़ियों को रखने की एक सीमा तय होनी चाहिए। इससे ऊर्जा की खपत में कमी आयेगी। कार्बन उत्सर्जन में कटौती और विकसित देशों की अधिक जिम्मेदारी तय करने के बारे में केंद्रीय पर्यावरण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर का तर्क बहुत सराहनीय है। एक तर्क दिया जाता है कि जलवायु परिवर्तन का दुष्प्रभाव कम आय वाले देशों पर अधिक होगा। सच्चाई यह है कि जलवायु परिवर्तन के असर से कोई अछूता नहीं रहेगा। मान लें, अगर समुद्र तट बढ़ जाता है, तो वहां टूरिस्ट होटल भी प्रभावित होंगे। जलवायु परिवर्तन से सबसे गरीब सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे, इसमें सच्चाई नहीं है और यह तर्क विकसित देशों पर कभी अंकुश नहीं लगाते हैं। अगर पेट्रोल खत्म हो गया, तो सबसे अधिक असर गाड़ी पर चलनेवाले पर होगा, न कि साइकिल पर चलनेवाले पर। लेकिन सवाल है कि कितना पेट्रोल और डीजल जला कर 40 लोग सफर कर रहे हैं और कितना जला कर अकेला व्यक्ति सफर कर रहा है। जब तक प्रति व्यक्ति खपत की बात नहीं की जायेगी, तब तक यह बात स्पष्ट नहीं होगी। जब बात स्पष्ट होगी, तो चीन दूसरे और भारत पांचवें नंबर नहीं रहेगा। इस प्रकार 150 देशों में भारत 60वें-62वें स्थान पर पहुंच जायेगा। इसलिए, प्रति व्यक्ति की बात जान-बूझ कर नहीं की जाती है। ये दोनों अलग-अलग सोचने के तरीके हैं। अमीर जब टिकाऊ विकास की बात करता है, तो उसका सोचने का तरीका अलग होता है, लेकिन जब गरीब कहता है कि मैं जिस नजरिये से देख रहा हूं, वह टिकाऊ है, तो वह प्रकृति के बारे में सोचते हुए कह रहा होता है। गरीब जिस तरह से जीवन जीता है, इसमें जल, जंगल, जमीन सबके टिकाऊ रहने की बात होती है। टिकाऊ विकास के संदर्भ में विश्व स्तर पर जो बहस और बात चल रही है, उसके संदर्भ और मायने सबके लिए अलग-अलग हैं।

संक्षेप में...

टेनिस : नागल बार्सिलोना ओपन के मुख्य ड्रॉ में पहुंचने से एक कदम दूर

बार्सिलोना। भारत के शीर्ष रैंकिंग के टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ने एटीपी 500 बार्सिलोना ओपन के क्वालीफायर में यूक्रेन के इलिया मारचेंको को 3-6, 6-2, 7-5 से हराया और अब वह इस टूर्नामेंट के मुख्य ड्रॉ में पहुंचने से एक कदम दूर रह गए हैं। 136वीं रैंकिंग के नागल का मुख्य ड्रॉ में पहुंचने के लिए मुकाबला इटली के थॉमस फैबियानो से होगा। स्पेन के राफेल नडाल और स्विटजरलैंड के रोजर फेडरर ने 11 बार बाद्रसलोना ओपन का खिताब जीता है। नागल पिछले कुछ समय से यूरोप में खेल रहे हैं लेकिन उन्हें कुछ खास सफलता हासिल नहीं हुई है। उन्हें हाल ही में मोंटे कार्लो मास्टर्स के क्वालीफाईंग राउंड में इटली के स्टेफानो त्रावागलिया से हार का सामना करना पड़ा था। इसके अलावा नागल को एटीपी 250 सरदेग्ना ओपन के शुरूआती दौर में स्लोवाकिया के क्वालीफायर जोजेफ कोवालिक से हार मिली थी।

बायर्न म्यूनिख छोड़ने के फैसले के बाद बोले फ्लिक, भविष्य को लेकर स्थिति साफ नहीं

बर्लिन। जर्मन क्लब बायर्न म्यूनिख के कोच हेंसी फ्लिक ने कहा है कि इस सीजन के बाद वह क्लब को छोड़ना चाहते हैं। फ्लिक का यह फैसला बायर्न म्यूनिख द्वारा वोल्फबर्ग को 3-2 से हराने और बुंदेसलीगा में टॉप पर सात अंकों का फासला बनाने के बाद आया है। डीपीए की रिपोर्ट के अनुसार, फ्लिक ने कहा है कि उन्होंने क्लब के मालिक को अपने फैसले से अवगत करा दिया है। फ्लिक का हालांकि बायर्न म्यूनिख के साथ 2023 तक का करार है। फ्लिक नवंबर 2019 में बायर्न म्यूनिख के कोच बने थे और तब से लेकर अब तक उन्होंने क्लब के साथ छह खिताब जीते हैं। फ्लिक ने कहा, मैं सीजन के अंत में अपने करार को खत्म करना चाहूंगा। हमारे पास दो शानदार साल रहे। मैं अपनी टीम के साथ बेहद खुश रहा। एक ऐसी टीम को ट्रेनिंग देने का मौका देने के लिए क्लब का शुक्रिया। उन्होंने कहा, निश्चित रूप से मेरा भविष्य साफ नहीं है। निश्चित रूप से नेशनल टीम का कोच बनने का विकल्प है। पिछले कुछ सप्ताह आसान नहीं रहे हैं।

मैक्सवेल और डिविलियर्स शो के आगे फेल रही कोलकाता की पूरी टीम

बेंगलुरु ने पहली बार शुरूआती 3 मैच जीते

■ चेन्नई

आईपीएल 2021 सीजन के पहले डबल हेडर के पहले मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने कोलकाता नाइट राइडर्स को 38 रन से हरा दिया। चेन्नई के चेपक स्टेडियम में खेले गए इस मैच में फ्लइ ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट पर 204 रन बनाए। इसके जवाब में ङ्क्षफटीम 20 ओवर में 8 विकेट पर 166 रन ही बना सकी।

बेंगलुरु ने आईपीएल में पहली बार शुरूआती 3 मैच जीते हैं। वहीं, कोलकाता के खिलाफ यह उनकी लगातार चौथी जीत है। इससे पहले 2019 सीजन में **RCB** ने ङ्क्षफको ईडन गार्डन में 10 रन से हराया था। वहीं, 2020 सीजन में लीग राउंड के दौरान बेंगलुरु ने कोलकाता को पहले मैच में 82 रन और दूसरे मैच में 8 विकेट से हराया था।

शुभमन अच्छी शुरूआत को बड़ी पारी में नहीं बदल सके

कोलकाता को पहला झटका शुभमन गिल के रूप में लगा। वे 9 बॉल पर 21 रन बनाकर आउट हुए। सब्स्टिट्यूट फील्डर डैनियल क्रिश्चियन ने काइल जेमिसन की बॉल पर गिल का शानदार कैच लपका। इसके बाद रन गति बढ़ाने के चक्कर में राहुल त्रिपाठी भी आउट हो गए। उन्होंने 20 बॉल पर 25 रन की पारी खेली। त्रिपाठी को वॉशिंगटन सुंदर ने मोहम्मद सिराज के हाथों कैच कराया।

नीतीश और मोर्गन कुछ खास नहीं कर सके

नीतीश राणा 11 बॉल पर 18 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें युजवेंद्र चहल ने देवदत्त पडिक्कल के हाथों कैच कराया। यह सीजन में 3 मैच में चहल का पहला विकेट रहा। चहल ने 74 के स्कोर पर **KKR** को चौथा झटका दिया। उन्होंने दिनेश कार्तिक को **LBW** किया। कार्तिक ने 5 बॉल पर सिर्फ 2 रन बनाए। कप्तान ओएन मोर्गन को हर्षल पटेल ने विराट कोहली के हाथों कैच कराया। वे 23 बॉल पर 29 रन बनाकर आउट हुए। शाकिब के साथ मोर्गन ने 31 बॉल पर 40 रन की पार्टनरशिप की। शाकिब अल हसन 25 बॉल पर 26 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, पैट कमिंस 2 बॉल पर 6 रन बनाकर आउट हुए। दोनों को काइल जेमिसन ने 18वें ओवर में आउट किया। आंद्रे रसेल 20 बॉल पर 31 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें हर्षल पटेल ने पारी की आखिरी ओवर में क्लीन बोल्ड किया।

मैक्सवेल-डिविलियर्स शो के आगे फेल रहे ङ्क्षफके गेंदबाज

9 रन पर बेंगलुरु ने विराट कोहली और रजत पाटीदार का विकेट गंवा दिया था। इसके बावजूद टीम ने 200+ रन का टारगेट खड़ा किया। इसमें एबी डिविलियर्स और ग्लेन मैक्सवेल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। डिविलियर्स ने आईपीएल में 39वीं और मैक्सवेल ने 8वीं फिफ्टी लगाई। डिविलियर्स ने हरभजन सिंह की बॉल पर सिक्स लगाकर फिफ्टी पूरी की। उन्होंने सिर्फ 27 बॉल पर पचास रन पूरे किए। जबकि, मैक्सवेल ने सिर्फ 28 बॉल पर फिफ्टी लगाई। यह आईपीएल के इस सीजन में उनकी लगातार दूसरी फिफ्टी रही। इससे पहले मैक्सवेल ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ पिछले मैच में 41 बॉल पर 59 रन की पारी खेली थी। मैक्सवेल को पैट कमिंस ने हरभजन सिंह के हाथों कैच कराया। उन्होंने डिविलियर्स के साथ चौथे विकेट के लिए 37 बॉल पर 53 रन की पार्टनरशिप की। बेंगलुरु ने आखिरी 5 ओवर में 70 रन बनाए। डिविलियर्स 34 बॉल पर 76 रन बनाकर नॉटआउट रहे। वहीं, मैक्सवेल ने 49 बॉल पर 78 रन की पारी खेली। कोलकाता की ओर से वरुण चक्रवर्ती ने सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए। वहीं, प्रसिद्ध कृष्णा और पैट कमिंस को 1-1 विकेट मिला।

दिल्ली ने पंजाब को 6 विकेट से हराया

मुंबई। सलामी बल्लेबाज शिखर धवन के 92 रन के दम पर दिल्ली कैपिटल्स ने रविवार को यहां वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए आईपीएल के 14वें सीजन के 11वें मुकाबले में पंजाब किंग्स को छह विकेट से हरा दिया। पंजाब किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट पर 195 रन का स्कोर बनाया, जिसे दिल्ली कैपिटल्स ने 10 गेंद शेष रहते चार विकेट खोकर हासिल कर लिया। दिल्ली कैपिटल्स की तीन मैचों में यह दूसरी जीत है और टीम के अब चार अंक हो गए हैं और वह तालिका में दूसरे नंबर पर पहुंच गई है। पंजाब किंग्स को तीन मैचों में दूसरी हार का सामना करना पड़ा है। कप्तान लोकेश राहुल के जन्मदिन पर उनकी टीम को हार का मुंह देखना पड़ा। मुंबई से मिले 196 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स को शिखर और पृथ्वी शॉ (32) ने पहले विकेट के लिए 33 गेंदों पर 59 रन की साझेदारी करके टीम को अच्छी शुरूआत दी। शॉ ने 17 गेंदों पर तीन चौके और दो छक्के लगाए। शॉ को अर्शदीप सिंह ने आउट किया। शॉ के आउट होने के बाद शिखर ने दिल्ली कैपिटल्स के लिए अपना पहला मुकाबला खेल रहे स्टीव स्मिथ (9) के साथ दूसरे विकेट के लिए 33 गेंदों पर 48 रन जोड़े। वह टीम के 107 के स्कोर पर दूसरे बल्लेबाज के रूप में पवेलियन लौटे। उनके लौटने के बाद शिखर ने कप्तान ऋषभ पंत (15) के साथ तीसरे विकेट के लिए 25 गेंदों पर 45 रनों की साझेदारी की। शिखर टीम के 152 के स्कोर पर आउट हुए। उन्होंने 49 गेंदों पर 13 चौके और दो छक्के लगाए। शिखर का आईपीएल में यह 45वां अर्धशतक है। शिखर के आउट होने के बाद पंत ने मार्कस स्टोयनिस (नाबाद 27) के साथ चौथे विकेट के 16 गेंदों पर 28 रनों की साझेदारी करके दिल्ली कैपिटल्स को छह विकेट से जीत दिला दी। ललित यादव ने छह गेंदों पर दो चौकों की बदौलत नाबाद 12 रन बनाए। स्टोयनिस ने 13 गेंदों पर तीन चौके और एक छक्का लगाया। पंजाब किंग्स की ओर से झाय रिचर्डसन ने दो और अर्शदीप सिंह तथा रिले मेरेडिथ ने एक-एक विकेट लिए। इससे पहले, सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल (69) और बर्थडे ब्वॉय कप्तान लोकेश राहुल (61) की अर्धशतकीय पारी तथा दोनों बल्लेबाज के बीच पहले विकेट के लिए हुई 122 रनों की साझेदारी के दम पर पंजाब किंग्स ने दिल्ली कैपिटल्स को 196 रनों का लक्ष्य रखा।

यूथ बॉक्सिंग : भारत के पांच मुक्केबाज क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

एजेंसी ■ किएल्स

भारत के पांच मुक्केबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए यहां चल रहे आईबा यूथ पुरुष और महिला वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप के पांचवें दिन क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। एशिया जूनियर चैंपियन बिस्वामित्रा चोंगथाम ने पुरुष 49 किग्रा वर्ग में खोसरोशाही परविजी को 5-0 से हराया।

अंकित नरवाल ने पोलेंड के ओलिविअर जामोजिस्की को 64 किग्रा वर्ग में 4-1 से, विशाल गुप्ता ने 91 किग्रा वर्ग में क्रोएशिया के बोर्ना लोनकारिक को 5-0 से और सचिन ने 56 किग्रा में कोलंबिया के जोसे वालडेज को हराया। महिला वर्ग में गीतिका ने 48 किग्रा वर्ग में कजाखस्तान की अराएलिम मरात को 5-0 से हराकर अंतिम-8 में जगह बनाई। इस बीच, निशा गुर्जर (64 किग्रा) को लातविया की बिएत्रिस रोजेंताले के हाथों 1-4 से हार का सामना करना पड़ा। टूर्नामेंट के छठे दिन भारत की ओर से महिला वर्ग में पूनम (57 किग्रा), अलफिया पठान (प्लस 81 किग्रा), खुशी (81 किग्रा), गीतिका (48 किग्रा) और विंका (60 किग्रा) अपनी चुनौती पेश करेंगी। पुरुष वर्ग में आकाश गोरखा (60 किग्रा), मनीष (75 किग्रा), सुमित (69 किग्रा) और विनीत (81 किग्रा) प्री क्वार्टर फाइनल में उतरेंगे।

चानू ने एशियाई चैम्पियनशिप में वेटलिफ्टिंग में ब्रॉन्ज मेडल जीता

ताशकंद। भारत की पूर्व वर्ल्ड चैम्पियन मीराबाई चानू ने वेटलिफ्टिंग एरिना में शानदार वापसी करते हुए एशियाई चैम्पियनशिप में क्लीन एवं जर्क में 119 किलो वेट उठाकर नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है। प्रतियोगिता में भाग लेने के साथ ही उन्होंने टोक्यो ओलिंपिक के लिए भी टिकट हासिल कर लिया, क्योंकि वे अनिवार्य सभी 6 क्वॉलिफाइंग प्रतियोगिता में भाग ले चुकी हैं। 26 साल की चानू ने स्नैच में 86 किग्रा वेट उठाने के बाद क्लीन एवं जर्क में वर्ल्ड रिकॉर्ड कायम करते हुए 119 किलो वेट उठाया। इससे पहले क्लीन एवं जर्क मे वर्ल्ड रिकॉर्ड 118 किग्रा का था। उन्होंने कुल 205 किलो वेट के साथ ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। स्नैच में उनकी शुरूआत अच्छी नहीं रही। उन्होंने शुरूआत के दो चांस में 85-85 किलो वेट ही उठाए। लेकिन तीसरे चांस में 86 कलो वेट उठाया। वहीं उन्होंने क्लीन एवं जर्क की शुरूआत 113 किलो वेट से की, इसके बाद उन्होंने 117 किलो का वेट उठाकर अपने इंडिविजुअल सर्वश्रेष्ठ में सुधार किया। अंत में 119 किलो वेट उठाकर वर्ल्ड रिकॉर्ड कायम किया। यह वजन उनके शरीर के वेट से दोगुने से ज्यादा है।

फुटबाल : बार्सिलोना ने रिकॉर्ड 31वीं बार जीता कोपा डेल रे खिताब

एजेंसी ■ बार्सिलोना

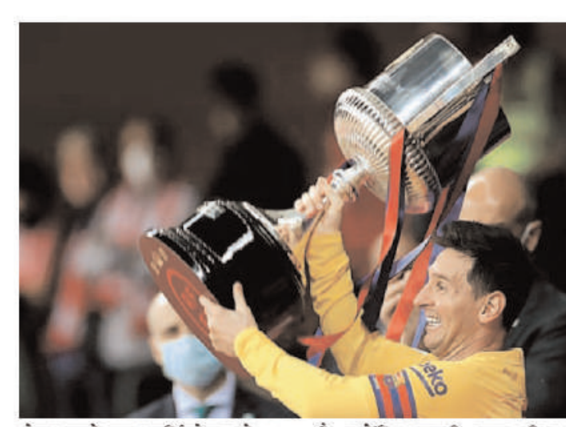

कप्तान लियोनेल मेसी के शानदार दो गोल की बदौलत बार्सिलोना ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए एथलेटिक बिल्बाओ को 4-0 से हराकर रिकॉर्ड 31वीं बार कोपा डेल रे का खिताब जीत लिया। बार्सिलोना की इस सीजन का यह सबसे बड़ी खिताबी जीत है और इस जीत के साथ उसने जनवरी में स्पेनिश सुपर कप में एथलेटिक बिल्बाओ से मिली हार का बदला भी चुकता कर लिया है। शनिवार को खेले गए इस फाइनल मुकाबले में रोनाल्ड कोएमैन की टीम ने शुरूआत से ही बेहतरीन प्रदर्शन किया, लेकिन टीम पहले हाफ में गोल दागने में विफल रही।

हालांकि दूसरे हाफ में बार्सिलोना ने बेहतर खेल दिखाया और चार गोल करते हुए चैम्पियन बनने का गौरव हासिल कर लिया। टीम के लिए पहला गोल हाल में तीसरी बच्ची का पिता बने एंटोनियो ग्रिजमैन ने 60वें मिनट में किया। इसके तीन मिनट बाद ही फ्रेंकी डी जोंग ने एक और गोल करते हुए बार्सिलोना को 2-0 से आगे कर दिया। बार्सिलोना ने फिर मेसी के 68वें और 72वें मिनट में किए गए दो गोल की बदौलत 4-0 से एकतरफा अंदाज में फाइनल मुकाबला अपने नाम कर लिया।

मेसी ने इस जीत के बाद कहा, इस क्लब का कप्तान बनना बहुत ही खास है, जहां मैंने अपनी जिंदगी का करीब आधा समय बिताया है। क्लब के लिए ट्रॉफी उठाना बेहद खास है। यह थोड़ा दुखद है कि हम फैंस के साथ इस जीत की खुशियां नहीं मना सकते। यह बदलाव का साल है क्योंकि काफी युवा टीम के साथ है और टीम काफी मजबूत बन चुकी है। 33 साल के अर्जेंटीना के मेसी का बार्सिलोना के साथ जारी करार सीजन के अंत में समाप्त होना है और ऐसे कयास लगाए जा रहे थे कि वह पेरिस सेंट जर्मेन या मैनचेस्टर युनाइटेड के साथ जुड़ सकते हैं। छह बार के बैलन डी ओर विजेता मेसी को लेकर कोच कोएमैन ने कहा, मुझे उम्मीद है कि बार्सिलोना के लिए उनका (मेसी का) अंतिम ट्रॉफी नहीं होगा। मुझे उम्मीद है कि वह हमारे साथ बने रहेंगे।

बजरंग पूनिया चोट की वजह से फाइनल से हटे, रवि कुमार ने जीता गोल्ड मेडल

एशियन कुश्ती चैम्पियनशिप

एजेंसी ■ अल्माटी

रवि कुमार ने 57 किलो वेट में एशियाई कुश्ती चैम्पियनशिप में अपना खिताब कायम रखते हुए गोल्ड मेडल जीता है। वहीं 65 किलो वेट में बजरंग पूनिया दाहिने कोहनी में चोट की वजह से फाइनल में जापान की ताकुतो ओटोगुरो के खिलाफ नहीं भिड़े। उन्हें सिल्वर मेडल से ही संतोष करना पड़ा। उन्हें 2018 की वर्ल्ड चैम्पियनशिप के फाइनल और पिछले साल एशियाई चैम्पियनशिप के फाइनल में जापान के इसी खिलाड़ी ताकुतो से हार का सामना करना पड़ा था।

रवि ने फाइनल में ईरान के पहलवान को हराया: टोक्यो का कोटा हासिल कर चुके रवि ने फाइनल में ईरान के अलीरेजा नोसरातोलाह सरलॉक को 9-4 से हराया। वहीं उन्होंने पहले दौर में भी उज्बेकिस्तान के नोदिरजोन सफरोव को 9-2 से हराया था। जबकि सेमीफाइनल में फिलिस्तीन के अली एमएम अबुयमैला को हराकर फाइनल में अपना स्थान पक्का किया था।

बजरंग बोले- कोच ने रिस्क न लेने की दी सलाह: बजरंग ने कहा कि कोच ने सुझाव दिए कि फाइनल में न खेलूं, क्योंकि कोरियाई पहलवान के साथ क्वार्टरफाइनल के दौरान दाहिने कोहनी में दर्द महसूस हुआ। वर्ल्ड चैम्पियनशिप के दौरान इसी जगह पर चोट लग गई थी। इस वजह से फाइनल में रिस्क लेना मुनासिब नहीं समझा। बजरंग ने शुरूआती मुकाबले में कोरिया के योंगसियोंग जियोंग को हराया, जबकि सेमीफाइनल में उन्होंने मंगोलिया के बिलगुन सरमानदाख को हराकर फाइनल में जगह बनाई।

नरसिंह, सत्यव्रत और कर्ण ने जीते ब्रॉन्ज मेडल: बजरंग और रवि के अलावा नरसिंह पंचम यादव, सत्यव्रत कादियान और कर्ण ने ब्रॉन्ज मेडल जीते। नरसिंह ने पांच साल बाद अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में ब्रॉन्ज मेडल जीता है। रियो ओलिंपिक से पहले डोपिंग के कारण उन पर चार साल का प्रतिबंध लगा दिया गया था। यादव को 74 किलो वेट में सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा। वहीं कादियान ने उज्बेकिस्तान के मुखमादरासुल रखिमोव को 4-1 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया था। उन्हें सेमीफाइनल में ईरान के अली खलील से हार का सामना करना पड़ा। करण ने 70 किलो वेट में रेपचेज राउंड में कोरिया के सुंगबोंग ली को 3-1 से हरा कर ब्रॉन्ज मेडल जीता।

एएफसी चैंपियंस लीग : एफसी गोवा ने अल वाहदा को गोलरहित ड्रॉ पर रोका

मडगांव। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) क्लब एफसी गोवा ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शनिवार रात यहां एएफसी चैंपियंस लीग (एसीएल) के ग्रुप चरण के मुकाबले में संयुक्त अरब अमीरात के क्लब अल वाहदा को गोलरहित ड्रॉ पर रोक दिया। एफसी गोवा ने इससे पहले बुधवार को भी ग्रुप ई के पहले मैच में कतर के अल रेयान क्लब के खिलाफ भी गोलरहित ड्रॉ खेलकर अंक बांटे थे। कोच जुआन फेरांडो की टीम दूसरे मैच में भी बिना किसी बदलाव के उतरी। एफसी गोवा को अब एसीएल के ग्रुप चरण में अपना तीसरा मुकाबला मंगलवार को पिछले चरण की उपविजेता ईरान की फुटबाल क्लब पर्सेपोलिस एफसी के खिलाफ खेलना है।

प्रीमियर लीग : वोल्व्स से हारकर रेलीगेट हुआ शेफील्ड युनाइटेड

लंदन। शेफील्ड युनाइटेड को यहां इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) में खेले गए मुकाबले में वोल्व्स के खिलाफ 0-1 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के बाद शेफील्ड युनाइटेड अब ईपीएल से रेलीगेट हो गया है। डीपीए की रिपोर्ट के अनुसार, शेफील्ड युनाइटेड के अभी छह मैच और बचे हैं, जबकि पूरे सीजन में उसने केवल चार ही मैच जीते हैं। पिछले सीजन में टीम ने 32 मैचों में से 26 मैच हारे थे और वह नौवें नंबर पर रही थी। दोनों टीमों के बीच पहला हाफ गोलरहित रहा। लेकिन दूसरे हाफ में वोल्व्स के लिए विलियन जोस ने 59वें मिनट में गोल करके अपनी टीम का खाता खोल दिया। टीम ने इस बढ़त को अंत तक कायम रखते हुए जीत अपने नाम कर लिया।

आईपीएल

धोनी ने 200वें मैच के बाद केक काटा

जीत के बाद कहा- ऐसा लग रहा जैसे बूढ़ा हो गया हूं; कोच फ्लेमिंग बोले- धोनी सीएसके टीम की धड़कन हैं

■ चेन्नई

पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए 200 मैच पूरे कर लिए हैं। उन्होंने शुक्रवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की। इस मैच में चेन्नई ने पंजाब टीम को 6 विकेट से शिकस्त दी। मैच के बाद धोनी ने केक काटकर 200 मैच खेलने का जश्न मनाया।

जीत के बाद धोनी से जब पूछा गया कि 200 मैच खेलने के बाद उन्हें कैसा महसूस हो रहा है? इस सवाल के जवाब में माही ने कहा कि ऐसा महसूस हो रहा है, जैसे मैं बूढ़ा हो गया हूं। वहीं, चेन्नई के कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा कि धोनी उरड टीम की धड़कन हैं।

दीपक चाहर पावर प्ले के भी स्पेशलिस्ट बनें: धोनी

पंजाब के खिलाफ तेज गेंदबाज दीपक चाहर ने 13 रन देकर 4 विकेट लिए। इसको लेकर धोनी ने कहा कि दीपक डेथ ओवर के स्पेशलिस्ट बॉलर हैं। मैं चाहता हूं कि वे पावर प्ले के भी स्पेशलिस्ट बनें, क्योंकि डेथ ओवर्स के लिए हमारे पास ड्वेन ब्रावो भी हैं। साथ ही स्पिन ऑलराउंडर मोइन अली को हम नंबर-3 पर ही बल्लेबाजी कराना चाहते हैं। इस नंबर पर वे अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं। मोइन में बड़े शॉट लगाने की काबिलियत भी है।

धोनी का सीएसके फ्रेंचाइजी से मजबूत रिश्ता है: फ्लेमिंग: कोच फ्लेमिंग ने कहा कि मेरा मानना है कि सीएसके फ्रेंचाइजी और महेंद्र सिंह धोनी ने साथ-साथ रहते हुए ग्रोथ की है। इसलिए दोनों के बीच काफी मजबूत रिश्ता है। सभी काफी खुश और मस्ती में रहते हैं। इसमें कोई शक नहीं है कि धोनी उरड टीम की धड़कन हैं। उनका अनुभव, प्रदर्शन और कप्तानी सबकुछ शानदार है।

बतौर कप्तान धोनी ने 111वां मैच जीता

धोनी ने चेन्नई टीम के लिए आईपीएल में 200वां मैच खेला। बतौर कप्तान टूर्नामेंट में यह उनका 190वां मैच रहा। इसमें उन्होंने 111 मैच जीते, जबकि 79 में हार मिली। बतौर कप्तान धोनी का जीत का सक्सेस रेट 58.73% का रहा है। शुक्रवार को खेले गए मैच में पंजाब किंग्स ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 विकेट गंवाकर 106 रन बनाए थे। जवाब में चेन्नई ने 15.4 ओवर में 4 विकेट गंवाकर 107 रन बनाते हुए मैच अपने नाम कर लिया। मोइन अली ने 31 बॉल पर सबसे ज्यादा 46 रन की पारी खेली। उनके अलावा फाफ डु प्लेसिस ने 33 बॉल पर 36 रन बनाए।

'ओ रे पिया' गाने पर थिरकती नजर आई माधुरी दीक्षित

शेयर किया दिलकश अदाओं वाला वीडियो

बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री माधुरी दीक्षित सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह फैंस के साथ अपनी तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। फैंस भी उनकी तस्वीरों पर खूब प्यार लुटाते हैं। बॉलीवुड की धक-धक गर्ल के डांस के सभी दीवाने हैं। इन दिनों माधुरी दीक्षित डांस रियलिटी शो डांस दीवाने में बतौर जज नजर आ रही हैं। इस बीच उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। फैंस इस वीडियो को काफी पसंद कर रहे हैं। मुंबई में लगे लॉकडाउन के बीच सेलेब्स सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। माधुरी ने अपने इंस्टा पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में 'ओ रे पिया' की ट्यून बज रही है। म्यूजिक की धुन पर माधुरी चारों ओर घूमती नजर आ रही हैं। घूमते वक्त उनके बाल हवा में लहरा रहे हैं। इन अदाओं के साथ माधुरी बेहद खूबसूरत लग रही हैं। बता दें कि कुछ दिन पहले माधुरी अपने पति नेने के साथ मालदीव वैकेशन पर गई थीं। इस दौरान दोनों ने खूब एंजॉय किया था। वहीं, माधुरी ने कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर भी शेयर की थीं, जिसमें वो और नेने एक साथ नजर आए थे।

थिएटर में धमाल मचाने के बाद अब ओटीटी पर रिलीज होगी 'राम प्रसाद की तेरहवीं'

इस साल की पहली फिल्म जो थिएटर पर रिलीज हुई थी वो है रामप्रसाद की तेरहवीं। इस साल जनवरी में रिलीज हुई इस फिल्म को क्रिटिक्स और दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था। फिल्म को सीमा पाहवा ने डायरेक्ट किया था। इस फिल्म के जरिए ही सीमा ने बतौर डायरेक्टर अपना करियर की शुरूआत की थी। अब थिएटर में मिले अच्छे रिस्पॉन्स के बाद फिल्म ओटीटी पर अपना कमाल करने को तैयार है। नेटफ्लिक्स पर फिल्म 31 मार्च को रिलीज होगी। भार्गव परिवार के मुखिया रामप्रसाद भार्गव (नसीरुद्दीन शाह) की मौत हो जाती है। इसके बाद रामप्रसाद का पूरा परिवार घर आता है। उनकी पत्नी सावित्री (सुप्रिया पाठक) सदमे में होती हैं। उन्हें लगता था कि उनके बच्चे ऐसे मौके पर उनका सपोर्ट करेंगे, लेकिन इसके उल्टा सब अपने में लगे रहते हैं। तभी परिवार को झटका लगता है जब उन्हें पता चलता है कि रामप्रसाद के ऊपर भारी कर्ज था जिसे अब उन्हें चुकाना है। इसके बाद परिवार में होती है अनबन। फिल्म में नसीरुद्दीन शाह, सुप्रिया पाठक, कोंकणा सेन शर्मा, परमब्रत चटर्जी, विनय पाठक, विक्रांत मैसी, मनोज पाहवा लीड रोल में थे। बता दें कि सीमा ने फिल्म को डायरेक्ट करने पर कहा था, ह्यमैं बहुत खुश हूं कि मेरी फिल्म 1 जनवरी 2021 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म की कहानी मेरे अपने एक्सपीरियंस से है। कई साल पहले मेरे पिता का निधन हुआ था तब मेरे परिवार वाले घर आए थे। तबसे ही यह कहानी मेरे दिमाग में थी।

ब्रिटिश शो 'लूथर' के रीमेक में नजर आएंगे अजय

अजय देवगन ने हाल ही में अपनी अपकमिंग फिल्म 'गोबर' का ऐलान किया था। इस बीच अब खबर आ रही है कि अजय जल्द ही अपने अगले प्रोजेक्ट पर से भी पर्दा हटाने की तैयारी में हैं। वे जल्द ही ओटीटी प्लेटफॉर्म पर एंट्री मारने वाले हैं। खबरों के मुताबिक, अजय ब्रिटिश शो 'लूथर' के रीमेक में काम करने वाले हैं। रिपोर्ट के मुताबिक 'लूथर' के रीमेक को वेब सीरीज में तब्दील किया जाएगा। 'लूथर' के रीमेक के जरिए अजय देवगन ओटीटी प्लेटफॉर्म पर डेब्यू करेंगे। कयास लगाए जा रहे हैं कि अगले हफ्ते तक मेकर्स इस वेब सीरीज की घोषणा कर देंगे। मार्च में अजय ने अपने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इस बात की तरफ इशारा भी किया था। अजय ने पोस्ट में पूछा था कि क्या फैंस अजय देवगन की जगह सुदर्शन को देखना पसंद करेंगे या फिर नहीं...। सूत्रों के मुताबिक, अजय देवगन ने इस वेब सीरीज में काम करने के लिए हामी भी भर दी है। 'लूथर' एक साइकोलॉजिकल क्राइम थ्रिलर ब्रिटिश शो है, जिसमें इद्रिस एल्बा ने मुख्य किरदार निभाया है। इस वेब सीरीज को बीबीसी इंडिया और एपलॉज एंटरटेनमेंट प्रोड्यूस करेंगे। शूटिंग खत्म होने के बाद इस वेब सीरीज को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज किया जाएगा।

प्रियंका करेंगी कबीर बेदी की ऑटोबायॉग्रफी Stories I Must Tell को लॉन्च

पिछले कुछ दिनों से ऐक्टर कबीर बेदी अपनी ऑटोबायॉग्रफी को लेकर काफी चर्चा में हैं। उन्होंने पिछले साल लॉकडाउन के दौरान अपने संस्मरण रीज आई मस्ट टेलः द इमोशनल लाइफ ऑफ द एक्टर नाम की किताब के रूप में लिखे हैं। अब इसकी लॉन्चिंग की तैयारी की जा रही है और इस किताब को कोई और नहीं बल्कि इंटरनैशनल स्टार प्रियंका चोपड़ा लॉन्च करने वाली हैं। कबीर बेदी और प्रियंका चोपड़ा दोनों ही बॉलिवुड के अलावा कई हॉलिवुड फिल्मों में भी काम कर चुके हैं। सबसे दिलचस्प बात यह है कि प्रियंका चोपड़ा ने भी अपनी ऑटोबायॉग्रफी 'अनफिनिश्ड' कुछ दिनों पहले ही लॉन्च की थी। यह लॉन्चिंग वर्चुअल होगी और प्रियंका लंदन से कबीर बेदी के साथ जुड़ेंगी। इसका प्रसारण एक एंटरटेनमेंट पोर्टल और कबीर बेदी के सोशल मीडिया हैंडल पर 19 अप्रैल को शाम 6.30 बजे किया जाएगा। बता दें कि कबीर बेदी ने अपनी इस ऑटोबायॉग्रफी में अपने अफेयर्स, रिलेशनशिप्स और शादियों पर काफी दिलचस्प और चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। पिछले दिनों इस किताब के कारण कबीर बेदी काफी चर्चा में रहे हैं। उन्होंने पर्सनल लाइफ के अलावा अपनी प्रफेशनल लाइफ के बारे में भी इस किताब में बताया है। इससे पहले कबीर बेदी और प्रियंका चोपड़ा फिल्म 'द हीरोः लव स्टोरी ऑफ अ स्पाइ' में साथ काम कर चुके हैं।

हैप्पी बर्थडे पूनम ढिल्लन

पूर्व मिस इंडिया ने 10 साल फिल्मों में दिखाया एक्टिंग का जलवा

पति को सबक सिखाने के लिए कर लिया था ऐक्स्ट्रा मेरिटल अफेयर

मात्र 16 बरस की बाली उम्र में हिंदी सिनेमा में अपने करियर की शुरूआत करने वाली अभिनेत्री पूनम ढिल्लों की गिनती उस समय की सबसे खूबसूरत अभिनेत्रियों में की जाती है। कानपुर में पैदा हुईं पूनम आज 59 साल की हो गई हैं लेकिन उनकी त्वचा से उनकी उम्र का पता आज भी नहीं चलता। सन 77 में फेमिना मिस इंडिया का खिताब जीतने के बाद पूनम के पीछे फिल्मों की लाइन लग गई। उन्होंने फिल्मों में खुद के तो किरदार किए ही साथ ही कई अभिनेत्रियों के किरदार छीन भी लिए। अपने करियर की दूसरी ही फिल्म 'नूरी' में इन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के फिल्मफेयर अवार्ड के लिए नामित किया गया। फिल्मों के साथ इन्होंने थिएटर और छोटे पर्दे पर भी अपने अभिनय का जलवा बिखेरा। यश चोपड़ा ने उन्हें फिल्म 'त्रिशूल' ऑफर की। पहले तो एक्ट्रेस ने पढ़ाई का हवाला देते हुए इनकार कर दिया था लेकिन बाद में लोगों के मनाने पर एक्ट्रेस राजी हो गईं। फिल्म करने के लिए पूनम ने शर्त रखी की वो गर्मी की छुट्टियों में ही शूटिंग करेंगी जिससे उनकी पढ़ाई पर असर ना पड़े। 1978 में पूनम की फिल्म 'त्रिशूल' रिलीज हुई और सफल रही। इसमें उनके को-स्टार सचिन पिलगांवकर थे। इस फिल्म के गीत 'गुपुची गुपुची गम गम' के लिए उन्हें आज भी याद किया जाता है। अपने करियर के शुरूआती दिनों में पूनम यश चोपड़ा के घर में ही रहती थीं। अपने 10 साल के सफल फिल्मी करियर के बाद पूनम ने 1988 में फिल्ममेकर अशोक ठकारिया से शादी की। साल 1994 में पूनम के पति अशोक का शादीशुदा होने के बावजूद दूसरी महिला से अफेयर था। जब पूनम को इस बारे में खबर हुई तो उन्होंने पति को सबक सिखाने के लिए खुद ऐक्स्ट्रा मेरिटल अफेयर किया, जिससे उनके पति को अपनी गलती का एहसास हो सके। इसके बाद एक्ट्रेस ने पति से तलाक ले लिया।

राहुल वैद्य और दिशा परमार का वेडिंग लव सॉन्ग 'मधाणया' रिलीज

राहुल वैद्य और दिशा परमार का मोस्ट अवेटेड वेडिंग लव सॉन्ग 'मधाणया' रिलीज हो चुका है। रिलीज होते ही यह गाना सोशल मीडिया पर छा गया है। हाल ही इस गाने का ऑडियो रिलीज किया गया था और अब वीडियो को देख फैंस की एक्साइटमेंट पूरे उफान पर है. राहुल वैद्य-दिशा परमार के इस गाने को लेकर सोशल मीडिया पर काफी बज बना हुआ था। 'मधाणया' को राहुलव वैद्य और असीस कौर ने गाया है। इस गाने की फोटोज बार-बार लीक होती थी, जिसके बाद फैंस ने कयास लगाना शुरू कर दिया था कि कहीं राहुल, दिशा ने शादी तो नहीं कर ली। लेकिन अब इस गाने के मेकर्स ने कन्फ्यूजन क्लियर कर दिया है और इस गाने को बड़े की खूबसूरत अंदाज में दर्शकों के सामने पेश किया है। गाने को राहुल वैद्य और दिशा परमार ने इंस्टाग्राम पर फैंस के साथ लाइव सेशन के दौरान रिलीज किया। रिलीज के वक्त दिशा परमार गाने में खो गईं और उन्होंने उस सीन की तरफ इशारा करते हुए बताया जिसे राहुल वैद्य गाने से हटवाना चाहते थे। दिशा ने कहा कि यह उनका फेवरिट सीन है। यह वह सीन है, जिसमें अपनी दुलहन दिशा का कार में लाते वक्त राहुल उन्हें गाल पर किस करते हैं। गाने में दिखाया गया है कि कैसे एक लड़की के मां-बाप उसके लिए लड़का तलाशते हैं और रानी की तरह उसे शादी के वक्त विदा करते हैं। उस वक्त लड़की के दिलोदिमाग में अपने बाबुल और पिया के घर को लेकर जो ख्याल चल रहे होते हैं और उस वक्त के माहौल को गाने में बहुत ही खूबसूरत ढंग से पिरोया गया है।

संक्षेप में...

लुटेरों से अकेले भिड़ गई...छीन ली पिस्टल

मुजफ्फरपुर। बिहार में लूट के इरादे से आए कुछ बदमाशों का पाला ऐसी 'मदार्नी' से पड़ा कि उन्हें खुद अपनी जान बचाकर भागने को मजबूर होना पड़ा। जांबाज महिला न केवल लुटेरों से अकेले ही भिड़ गई, उनकी पिस्टल भी छीन ली। महिला के बुलंद हौसले के आगे आखिरकार लुटेरों को हार माननी पड़ी और फिर वे वहां भाग खड़े हो गए। ये चौंकाने वाला मामला मुजफ्फरपुर जिले के काजी मोहम्मदपुर थाना इलाके में सामने आया। बताया जा रहा कि रविवार को आमगोला ओवरब्रिज के पास बाइक सवार दो लुटेरों ने मोटर पाट्र्स कारोबारी अभिषेक कुमार और उनकी पत्नी रानुशंकर से पिस्टल के बल पर चेन छीनने की कोशिश की। दंपती लगातार लुटेरों की हरकत का विरोध करते रहे। बावजूद इसके बदमाशों ने कारोबारी के साथ हाथापाई शुरू कर दी। इसी बीच कारोबारी की पत्नी ने हिम्मत दिखाई और लुटेरों से भिड़ गई, यही नहीं उसका पिस्टल भी छीन लिया। महिला के इस जांबाजी भरे कदम की शायद बदमाशों को भी उम्मीद नहीं थी। हालात की गंभीरता को देखते हुए लुटेरों ने मौके से भागने में ही अपनी भलाई समझी। वह पिस्टल छोड़ कर मौके से भाग गए। लुटेरे का उम्र 25 से 30 साल बताई जा रही है। सभी ने चेहरे पर नकाब बांध रखा था। बदमाशों के भागने के बाद अभिषेक कुमार ने घटना के संबंध में थाने में आवेदन देकर मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। मौके पर मौजूद लोग जांबाज महिला के साहस की सराहना कर रहे हैं।

कोरोना के चलते अयोध्या में रामनवमी मेला स्थगित

अयोध्या। अयोध्या प्रशासन ने नवरात्रि के अंतिम दिन तीर्थयात्रियों के भारी भीड़ को आकर्षित करने वाले 'रामनवमी के मेले' को स्थगित करने का फैसला किया है। इस बार यह मेला 21 अप्रैल से शुरू होने वाला था। अयोध्या की सीमाओं को सील कर दिया जाएगा और हरिद्वार कुंभ के संतों को भी प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। रामनवमी पर राम जन्मभूमि मंदिर में पूजा करने के लिए सैकड़ों की संख्या में संत अयोध्या आने वाले थे। जिला प्रशासन ने भक्तों को घर पर ही रामनवमी मनाने का निर्देश दिया है और मंदिरों में मौजूद तीर्थयात्रियों की संख्या में कमी की है। जिला मजिस्ट्रेट अनुज कुमार झा ने कहा, हमारी प्राथमिकता कोरोना श्रृंखला को तोड़ने की है। हमने सभी एहतियाती कदम उठाए हैं और अयोध्या में सभी सभाओं पर प्रतिबंध लगाया है। राम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने कहा, "महामारी के कारण इस साल 'राम नवमी' पर मंदिर में कोई भक्त नहीं होगा। केवल एक पुजारी, ऑन-ड्यूटी पुलिसकर्मी और राम लला विराजमान होंगे।

15 वर्षों से फरार चल रही महिला नक्सली गिरफ्तार

मुंगेर। बिहार की मुंगेर जिला पुलिस ने 15 वर्षों से फरार चल रही महिला नक्सली प्रमिला कोड़ा को गिरफ्तार कर लिया है। अपर पुलिस अधीक्षक (अभियान) राजकुमार राज ने बताया कि सूचना के आधार पर विशेष कार्यबल (एसटीएफ) और लड़ैयांटांढ़ थाना पुलिस ने संयुक्त रूप से छापेमारी कर गौरेया गांव से महिला नक्सली प्रमिला कोड़ा को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार महिला नक्सली अर्जुन कोड़ा और प्रवेश दा के दस्ते का सक्रिय सदस्य रही है। राजकुमार राज ने बताया कि गिरफ्तार नक्सली मुंगेर, लखीसराय और जमुई जिलों में 11 संगीन आपराधिक मामलों में फरार चल रही थी। वह हाल के वर्षों में संगठन के काम से जम्मू-कश्मीर चली गई थी। उन्होंने बताया कि जिले की पुलिस आगे भी नक्सलियों की गिरफ्तारी के लिए सघन अभियान जारी रखेगी।

प्रशासन ने जारी किया अधिग्रहण आदेश

अवध शिल्पग्राम में बनेगा 250 बेड का कोविड अस्पताल

■ लखनऊ

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में चरमराई स्वास्थ्य सेवाओं को ऑक्सीजन देने के लिए डीआरडीओ (डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन) ने कमर कस ली है। डीआरडीओ के स्थलीय निरीक्षण के बाद गोमती नगर विस्तार में शहीद पथ स्थित अवध शिल्प ग्राम में 250 बेड का अस्थाई अस्पताल बनाने को हरी झंडी मिल गई है। इस बाबत प्रभारी जिला अधिकारी रोशन जैकब ने जमीन के अधिग्रहण किए जाने का आदेश जारी किया है। उम्मीद यह जताई जा रही है कि अगले कुछ ही दिनों में यह अस्पताल तैयार कर दिया जाएगा।

डीआरडीओ की टीम ने किया था निरीक्षण किया

लखनऊ में संक्रमण के हालात बेकाबू है। संक्रमण की पहली लहर में जहां आंकड़े 1200-1300 के बीच रहते थे, लेकिन इस बार एक दिन में 5 हजार से अधिक संक्रमित सामने आ रहे हैं। मौत का आंकड़ा भी हर दिन अपने पुराने रिकॉर्ड को तोड़ रहा है। नतीजा लखनऊ सांसद और केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से वार्ता की थी। इसके बाद डीआरडीओ को मेडिकल सहायता दिए जाने के लिए कहा गया।

जर्मन हैंगर तकनीकी से होगा निर्माण: डीआरडीओ सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अस्पताल का निर्माण जर्मन हैंगर तकनीकी से किया जाएगा। इसके लिए सामान दिल्ली और बेंगलुरु यहां जल्द आने वाला है। सामान आते ही यहां काम शुरू हो जाएगा और हफ्तेभर में अस्थाई अस्पताल बनकर तैयार हो जाएगा। अस्पताल को सेना की मेडिकल कोर टीम सम्भालेगी। चिकित्सकीय सेवाओं के लिए डीआरडीओ टीम द्वारा मध्य कमान मुख्यालय के आर्मी कोर से संपर्क किया जा रहा है।

ऑक्सीजन की किल्लत ऐसे करेंगे दूर योगी

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोरोना की प्रभावी रोकथाम के लिए निर्देश दिया कि किसी भी सार्वजनिक स्थान पर भीड न होने दी जाए और मास्क न पहनने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने रविवार को टीम-11 के अफसरों को अस्पतालों में ऑक्सीजन की आपूर्ति तत्काल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रदेश में ऑक्सीजन की आपूर्ति को और बेहतर करने के लिए अलग-अलग स्थानों पर 10 नए ऑक्सीजन प्लांट स्थापित किए जाने हैं। इस कार्य में डीआरडीओ का सहयोग मिल रहा है। इसके अलावा, भारत सरकार के स्तर से भी ऑक्सीजन आपूर्ति की मॉनिटरिंग की जा रही है। समन्वय बनाते हुए डिमांड भेजें। ऑक्सीजन के संबंध में अगले 15 दिनों की अनुमानित मांग के अनुरूप उपलब्धता बनाया जाए। इसके साथ-साथ प्रदेश में ऑक्सीजन वितरण की प्रक्रिया में भी संतुलन बनाए रखा जाए। प्रत्येक अस्पताल में न्यूनतम 36 घंटे का ऑक्सीजन बैकअप होना चाहिए।

9 बेड पर एक शौचालय

अस्थाई कोविड अस्पताल में बेड की संख्या डीआरडीओ टीम के मानक अनुसार होगा। यहां कोरोना संक्रमित मरीजों के लिए 250 बेड तैयार किया जाएगा। 9 कोविड मरीजों पर एक शौचालय का निर्माण होगा। डॉक्टरड्ढ मेडिकल स्टॉफ के लिए अलग व्यवस्था रहेगी। ड्यूटी खत्म होने के बाद डॉक्टर और मेडिकल स्टॉफ को गोल्डन ब्लॉसम रिजॉर्ट में क्वारेंटाइन करने की भी व्यवस्था होगी। इसके अलावा डीआरडीओ की टीम एक 300 बेड का अलग से हॉस्पिटल तैयार करेगी।

कर्ज लेकर गए थे मुंबई कमाने, अब लौटने पर फिर बने कर्जदार

■ लखनऊ

कोरोना के बढ़ते संक्रमण ने प्रवासी मजदूरों को एक साल पहले वाले हालात में लाकर खड़ा कर दिया है। पिछले वर्ष लॉकडाउन खत्म होने के बाद हालात ठीक हुए तो किसी तरह गांव में कर्ज लेकर बहुत सारे लोग मुंबई गए और अभी हालात सुधरे भी नहीं थे कि अब लॉकडाउन वाली स्थिति हो गई। जान बचाने की खातिर गांवों की ओर रुख कर रहे, बहुत सारे लोग परिवार संग लौटने में फिर कर्जदार बन गए। उनके सामने अब दो जून की रोटी का संकट खड़ा हो गया है।

गोरखपुर और आसपास जिलों में सबसे ज्यादा मुंबई से लोग आ रहे हैं। इनमें प्रवासी मजदूरों की संख्या ज्यादा है। मुंबई से इस समय 15 स्पेशल ट्रेनें आ रही हैं और सारी ट्रेनों में ठसाठस भीड़ है। दोगुनी कीमत देकर लोग टिकट खरीदने को मजबूर हैं। बहुत सारे लोग टिकट नहीं मिलने पर जुमार्ना देकर सफर कर रहे हैं।

सफर में कोरोना होने का डर: एलटीटी स्पेशल से गोरखपुर आए रमेश कुमार और सुरेश का कहना है कि अभी लोग कोरोना से बचे हुए हैं। लेकिन, ट्रेन में जिस तरह की भीड़ थी, लोग सटकर बैठे थे, उसे देखकर अब कोरोना संक्रमण का डर सताने लगा है। उन्होंने बताया कि थर्मल स्क्रीनिंग हो रही है, तापमान कम करने के लिए तमाम लोग पैरासिटामाल खा ले रहे हैं।

कर्ज लेकर टिकट बनवाया

महराजगंज जिले के निवासी आकाश ने बताया कि दो महीने पहले उधार लेकर मुंबई गया था। वहां पेंट-पालिश का काम मिल गया। बहुत खुश था कि अब कोरोना के चलते बिगड़े हालात ठीक हो जाएंगे। कमाई में जो बचाया था उसे घर भेज दिया। अब काम मिलना बंद हो गया तो मुंबई में रहकर क्या करता। कर्ज लेकर ट्रेन का टिकट बनवाया है, किसी तरह घर लौटा हूं।

ट्रेन में मिली 90 लाख की चांदी

कानपुर। कानपुर में जीआरपी ने शनिवार देर शाम कानपुर सेंट्रल पर अजमेर-सियालदाह एक्सप्रेस से बिहार ले जाई जा रही करीब 90 लाख की चांदी जब्त कर दो सगे भाइयों को हिरासत में लिया गया। उनके पास से मिले सात बैगों में चांदी की पायलें थीं। इनका वजन 128.500 किलो बताया गया है।

जीआरपी ने जीएसटी अधिकारियों को मामले की जांच सौंप दी है। जीएसटी दस्तावेजों की पड़ताल कर रही है। ट्रेन के एस-3 कोच में सीट संख्या 47 और 55 पर दो भाई शिवदत्त और केशवदत्त सफर कर रहे थे। जीआरपी को सूचना मिली कि दोनों के पास भारी मात्रा में अवैध चांदी है, जिसे तस्करी करके बिहार ले जाया जा रहा है। देर शाम ट्रेन सेंट्रल स्टेशन पहुंची तो

जीआरपी और आरपीएफ की टीम ने दोनों को हिरासत में लेकर बैग जब्त कर लिए। दोनों ने पुलिस को बताया कि वह आगरा की नमक मंडी में ज्वैलरी का काम करते हैं। चांदी की पायलों की डिलीवरी देने बिहार जा रहे थे। जीआरपी इंस्पेक्टर राम मोहन राय ने बताया कि दोनों भाइयों और चांदी जीएसटी अधिकारियों को सौंप दी गई हैं।

कोरोना से जंग में एक बार फिर ठहरी जिंदगी

सड़कों पर पसरा सन्नाटा, निगम की टीमें सैनिटाइजेशन अभियान में जुटी

लखनऊ। कोरोना वायरस की दूसरी लहर में संक्रमण के बढ़ते प्रसार को रोकने के लिए पूरे प्रदेश में साप्ताहिक लॉकडाउन लागू है। इससे एक बार फिर जिंदगी ठहर गई है। आगरा और मथुरा में पुलिस को साप्ताहिक लॉकडाउन का सख्ती से पालन कराने के निर्देश दिए गए हैं। रविवार सुबह से सड़कों पर सन्नाटा पसरा है। सब्जीवाले भी कॉलोनियों में नहीं आए।

वहीं, लखनऊ की सड़कों पर हर तरफ सन्नाटा ही नजर आ रहा है। हालांकि, एनडीए की परीक्षा के कारण कुछ केंद्रों पर हलचल नजर आ रही है। बता दें कि प्रशासन ने पहले ही आदेश जारी कर दिया है कि पहले से तय परीक्षा कार्यक्रम पर कोई रोक नहीं रहेगी। इसके अलावा, शादियों के लिए खुले में 100 और बंद एरिया में 50 लोगों को शामिल होने की अनुमति दी जाएगी। मथुरा और वृंदावन के सभी मंदिरों के पट बंद हैं। नगर निगम की टीमें सैनिटाइजेशन अभियान में जुटी हुई हैं। कोरोना संक्रमण रोकने के लिए शनिवार रात आठ बजे से सोमवार सुबह सात बजे तक चलने वाली पूर्ण बंदी में आवश्यक सेवाओं में शामिल स्वास्थ्य सेवाओं मसलन मेडिकल स्टोर व नर्सिंग होम को ही खोलने की अनुमति दी गई है। इसी तरह कोरोना से बचाव वाली सामग्री बनाने वाली औद्योगिक इकाइयां भी संचालित होंगी। इसमें मास्क, सैनिटाइजर, ग्लव्ज, पीपीई किट व दवा बनाने वाली इकाइयां शामिल हैं। इस तरह की कानपुर में करीब 50 इकाइयां हैं। इनमें करीब दो हजार कर्मचारी काम करते हैं। इसके अलावा सतत संचालन प्रक्रिया वाले उद्योग जैसे स्टील, रिफाइनरी, सीमेंट, वस्त्र, टायर, रसायन, कॉमन ट्रीटमेंट प्लांट, पेपर व चीनी मिलों को भी चलने की अनुमति है। इनके अलावा किसी भी तरह की औद्योगिक इकाइयां नहीं चलेंगी।

5 घायल, अस्थि विसर्जन के लिए प्रयागराज जा रहा था परिवार

डंपर-कार की भिड़ंत में चार की मौत

चित्रकूट। उत्तर प्रदेश में चित्रकूट जिले के रैपुरा थाना क्षेत्र में रविवार सुबह डंपर और कार की आमने-सामने से भीषण टक्कर हो गई। इस हादसे में पति-पत्नी और उनकी बेटी समेत चार लोगों की मौत हो गई। जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। यह हादसा चित्रकूट-झांसी-मिजार्पुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर रामनगर के पास हुआ। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिसकर्मियों ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया है।

महोबा में ददवारा के रहने वाले चरनू सिंह की मां सुमित्रा का दो दिन पहले निधन हो गया था। परिवार के सदस्य अस्थि विसर्जन के लिए कार से संगमनगरी प्रयागराज जा रहे थे। चरनू सिंह खुद को कार चला रहे थे। सभी चित्रकूट जिले में रैपुरा थाना क्षेत्र के रामनगर के पास पहुंचे थे कि डंपर से टक्कर हो गई। हादसे के बाद लोग बचाव के लिए दौड़े और पुलिस की मदद से

किसी तरह घायलों को कार से बाहर निकाला गया। इसके बाद सभी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामनगर में भर्ती करवाया गया।

चरनू सिंह (38 साल), उनकी पत्नी गीता सिंह (35 साल), पुत्री संध्या (07 साल), चाची शांति (55 साल) की मौत हो गई, जबकि रामदेवी (25 साल), हरिचरण (40 साल), हरि (35 साल), जियालाल (40 साल), सियाराम (65 साल) गंभीर रुप से घायल हैं। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

छात्रा की हत्या के बाद तेजाब से जलाया, रेप की भी आशंका

■ लखनऊ

बिहार के बेगुसराय में बेखौफ बदमाशों ने एक नाबालिग छात्रा की न सिर्फ बेहरमी से हत्या कर दी बल्कि उसके चेहरे को तेजाब से जला दिया। इसके बाद आरोपियों ने छात्रा के शव को रेलवे यार्ड में फेंक कर फरार हो गए। छात्रा के साथ दुष्कर्म की भी आशंका जताई जा रही है। इस खौफनाक कांड के सामने आने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। घटना से नाराज परिजनों और स्थानीय लोगों ने शव के साथ सड़क जाम कर प्रदर्शन किया। पूरे मामले की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया। साथ ही आरोपियों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी का आश्वासन देकर उन्हें शांत कराने की कोशिश की। बताया जा रहा कि 14 अप्रैल की शाम से ही छात्रा लापता थी। इस बीच सुनसान रेलवे यार्ड से रविवार की सुबह पुलिस ने शव बरामद किया। घटना गढ़हारा ओपी थाना इलाके की है।

यूपी पंचायत चुनाव: 20 जिलों में 3.2 करोड़ मतदाता करेंगे मताधिकार का प्रयोग

कोरोना के बीच चुनाव का दूसरा चरण आज

■ लखनऊ

उत्तर प्रदेश में कोरोना संक्रमण के भीषण रूप धारण करने के बाद भी प्रदेश में पंचायत चुनाव में दूसरे चरण का प्रचार शनिवार को समाप्त होने के बाद सोमवार को मतदान होगा। दूसरे चरण के मतदान में 20 जिलों के करीब 3.2 करोड़ मतदाता अपने अधिकार का प्रयोग करेंगे। प्रदेश के इन 20 जिलों में होने वाले चुनाव में चार पद के लिए कुल 2,33,616 नामांकन हुए थे। जिनमें जिला पंचायत सदस्य के 787 पदों के लिए 8024 नामांकन हुए थे। क्षेत्र पंचायत सदस्य के 19653 पदों के लिए 56874 नामांकन हुए थे। ग्राम प्रधान के 14897 पदों के लिए कुल 99404 नामांकन हुए थे। ग्राम पंचायत सदस्य के 187781 पदों के लिए महज 69314 नामांकन ही हुए थे।

त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन के दूसरे चरण में लखनऊ, वाराणसी व मुजफ्फरनगर समेत 20 जिलों में होने वाले चुनाव का प्रचार शनिवार को समाप्त हो गया। जिला पंचायत सदस्य के 737, क्षेत्र पंचायत सदस्य के 19653, ग्राम प्रधान के 14897 पदों तथा ग्राम पंचायत वार्ड सदस्य के 187781 पदों के लिए करीब 3.2 करोड़ मतदाता

अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। सोमवार को सुबह सात से शाम छह बजे तक वोट डाले जाएंगे। पोलिंग पार्टियां रविवार को रवाना होंगी। राज्य निर्वाचन आयोग ने मतदान व्यवस्थित करने के लिए 23 पर्यवेक्षक नियुक्त किए हैं।

इन जिलों में मतदान

बागपत, मुजफ्फरनगर, गौतमबुद्धनगर, बिजनौर, अमरोहा, बदायूं, एटा, मैनपुरी, कन्नौज, इटावा, ललितपुर, चित्रकूट, प्रतापगढ़, लखनऊ, लखीमपुर खीरी, गोंडा, सुलतानपुर, महराजगंज, वाराणसी व

आजमगढ़।

पर्यवेक्षकों को सख्ती करने के निर्देश

निर्वाचन आयुक्त मनोज कुमार ने बताया कि सभी पर्यवेक्षकों को पंचायत चुनाव में हर हाल में आदर्श आचार संहिता का पालन कराने के निर्देश दिए हैं। नियुक्त पर्यवेक्षकों में पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की निदेशक वंदना शर्मा को प्रतापगढ़, राजस्व परिषद के भूमि अध्यापित निदेशक दिग्विजय सिंह को लखनऊ, मुरादाबाद विकास प्राधिकरण के सचिव सर्वेश कुमार गुप्ता को ललितपुर, अपर भूमि व्यवस्था आयुक्त अनिल कुमार यादव को मैनपुरी।

व्यावसायिक शिक्षा विभाग के विशेष सचिव हरिकेश चौरसिया को बिजनौर, वाणिज्य कर विभाग के विशेष सचिव सर्वज्ञ राम मिश्रा को मुजफ्फरनगर और वाराणसी में वाराणसी विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष ईशा दुहन को पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। इसके अलावा होमगार्ड विभाग के संयुक्त सचिव नरेंद्र सिंह को आजमगढ़, महराजगंज में आजमगढ़ मंडल के अपर आयुक्त अनिल कुमार, कानपुर मंडल के अपर आयुक्त राजाराम को गोंडा में पर्यवेक्षक तैनात किया है।

गौ-स्पर्श देता है तनाव से मुक्ति:राठौड़

दतिया पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ जितनी निष्ठापूर्वक अपने दायित्वों का निर्वहन करते हैं उतनी ही तन्मयता से समय निकाल गौसेवा भी करते हैं,अपने व्यस्त समय मे से कभी कभी कुछ समय गौसेवा के लिए देने बाले पुलिस अधीक्षक महोदय ने कल्कि धाम गौशाला पहुँचकर गौवंश को हरा चारा खिलाया एक नन्ही बछिया जिसकी माँ गोलोकधाम पधार चुकी है उसको उन्होंने विशेष स्नेहपूर्वक बोतल से दूध भी पिलाया,पुलिस अधीक्षक जी ने गौ-सेवा के समय अपने विचार भी व्यक्त किये,उन्होंने कहा कि यदि कोई इंसान मानसिक अवसाद में है तो बिना किसी दवा के उसको तनाव से तुरंत मुक्ति दिलाने की सामर्थ्य यदि किसी में है तो सिर्फ गौमाता में,आज के इस तनावग्रस्त समय में लोगों को चाहिए कि गौ-माता के सम्पर्क में रहें, हर घर के बाहर गौ स्वयं ही आती है उसको 1 रोटी देने के समय तक मे भी व्यक्ति जितना सम्पर्क

में आता है उतना ही समय मानसिक तनाव को दूर करने के लिए पर्याप्त होता है,अतः सभी को गौ सम्पर्क में अवश्य ही रहना चाहिए उन्होंने कहा कि गौ-

सेवा करके उनको आत्मिक,मानसिक प्रसन्नता मिलती है।

बुविसे प्रमुख हरीश कपूर टीटू ने प्लाज्मा डोनेट किया

■ ललितपुर।

ललितपुर के श्री कृष्ण मुरारी पाठक कोरोना पीड़ित होने के कारण तालबेट में भती हुए जहां से उन्हें झांसी भेज दिया गया जहां पर उनको एक यूनिट प्लाज्मा लगा। तबीयत में आराम ना मिलने के कारण उन्हें ग्वालियर में भती कराया गया जहां पर उन्हें प्लाज्मा की आवश्यकता होने पर उनके परिजनों ने अन्नपूर्णा सेवा संघ में संपर्क स्थापित किया। जिस पर 18 अप्रैल को कुमारी राशि जैन पुत्री विजय जैन उनको प्लाज्मा डोनेट करने गए लेकिन हिमोग्लोबिन कम होने के कारण वह डोनेट नहीं कर पाए। 19 अप्रैल उनके लिए बुंदेलखंड विकास सेना के प्रमुख हरीश कपूर टीटू ने अपनी एंटीबॉडीज चेक कराई। वह अगस्त माह में कोरोना से पीड़ित रह चुके थे 8 माह बाद भी उनकी एंटीबॉडीज 138 वैल्यू की आई। जिस पर वह डोनेट करने के लिए ग्वालियर गए और उन्होंने श्री कृष्ण मुरारी पाठक को कोरोना से लड़ने के लिए अपना प्लाज्मा डोनेट किया अन्नपूर्णा सेवा संघ और भी सभी कोरोना वारियर्स से अनुरोध करती है कि वह भी टीटू कपूर की तरह आज के समय में कोरोना पीड़ित मरीजों की मदद करने को आगे आए और अपना प्लाज्मा डोनेट कर लोगो के इलाज में मदद करें।

कोरोना वेक्सीन की दूसरी डोज लगवाने परेशान हो रहे नागरिक

कब लगना है दूसरी डोज कहाँ लगेगी कोई जानकारी नही दे रहा स्वास्थ्य विभाग

दतिया । दतिया जिले में कोरोना वेक्सीनेशन के लिए कलेक्ट्रर संजय कुमार जितनी गम्भीरता से प्रयास कर रहे है स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार अधिकारी एवँ जिला टीकाकरण अधिकारी उतनी ही लापरवाही बरत रहे है। खासकर दूसरा डोज लगवाने के लेकर नागरिक भारी परेशान हो रहे है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा बरती जा रही लापरवाही का आलम यह है कि आज पूरे शहर में सिवाय एक जगह जिला अस्पताल के पुराने मैटरनिटी बिंग में कोवेक्सीन का डोज उपलब्ध था बाकी पूरे शहर में आज केवल कोविशील्ड ही लगाई जा रही थीं ।जिन लोगों ने पहला डोज कोवेक्सीन का लगवाया था उन्हें भरी गमी में जिला अस्पताल तक जाना पड़ा । स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार अधिकारियो को एक दिन पहले ही नागरिको के लिए यह सूचना जारी करनी चाहिए कि कौन से डोज उपलब्ध है एवँ कहा कहा लगेगी क्योंकि अधिकांश लोग इतने पढ़े लिखे ओरआद्यापक जागरूक नही होते की उन्हें पता हो कि पहले कौन सी डोज लगी थीं टीका लगाते समय या बाद में टीकाकरण केंद्र पर भी हर व्यक्ति की यह बताना जरूरी हो की उसे कोंन सी डोज दी गई है जिससे उसे दूसरा डोज लगवाते समय पता रहे । स्वास्थ्य विभाग एवँ कलेक्टर महोदय को भी इस समस्या की ओर ध्यान देना चाहिए।

आधार कॉर्ड नही था तो बैरंग लोटा दिया

जिले में कोरोना वेक्सीन लगाने का कार्य पूरी तरह ऑनलाइन किया जा रहा है । मैन्युअली भी इसका रिकॉर्ड रखा जाना चाहिए लेकिन ऐसा नही हो रहा है जिसका खामियाजा वरिष्ठ नागरिको को भुगतना पड़ रहा है। आज एक वरिष्ठ महिला जिन्होंने तलैया मोहल्ला पुराने जनानी अस्पताल में पहला डोज लगवाया गया था वहां से जिला अस्पताल पुराने मेटरनिटी बिंग में पहुंचाया गया पहला डोज लगवाते समय महिला ने आधार कार्ड एव मोबाइल नम्वर दर्ज कराया था लेकिन आज महिला आधार कार्ड लाना भूल गईं तो मेटरनिटी बिंग में मोजूद कमर्चारियों ने दूसरा डोज नही लगाया । जिला टीकाकरण अधिकारी डा डी के सोनी से बात करने के बाद भी उस वरिस्ठ महिला को दूसरा डोज नही लगाया गया । आखिर आधार कॉर्ड नही तो क्या दूसरा डोज लगाया ही नही जाएगा। जबकि संबंधित महिला अपना वोटर कॉर्ड लेकर आई थीं । आधार कार्ड के अलावा भी दूसरे दस्तावेज दिखकर कोरोना का टीका लगाया जाना चाहिए जिससे गमी में टीका लगवाने आये लोग वेरँग न लौटे ।

कलेक्टर एवं डिप्टी कलेक्टर ने किया नगर, सब्जी मंडी का निरीक्षण

दतिया।सुबह से ही प्रशासनिक अधिकारी कोरोना संक्रमण बढ़ते प्रभाव देखते हुए कोरोना कफ्यू पालन करने सड़क पर उतरे। कलेक्टर संजय कुमार एवं डिप्टी कलेक्टर सुश्री दीपशिखा ने किया नगर, सब्जी का निरीक्षण। सब्जी मंडी में लगभग दर्जन भर सड़कों और दुकानों के प्रस्ताव तैयार करने के बाद डिप्टी सुश्री दीपशिखा एवं कलेक्टर संजय कुमार ने निरीक्षण किया है। निरीक्षण के बाद सोशल डिस्टेंस और मास्क लगाने की दी समझाईश। सब्जी मंडी में तैनात कमर्चारियों को डिप्टी कलेक्टर ने निर्देश दिए की सब्जी मंडी भिड़ भाड़ नहीं होने दे सोशल डिस्टेंस का पालन करवाया। वहीं नगर में भ्रमण के दौरान जगह जगह चैकिंग पोइंट का निरीक्षण किया। डिप्टी सुश्री दीपशिखा ने घूम रहे लोगों को घर रहने की समझाइश दी। वहीं डिप्टी कलेक्टर सुश्री दीपशिखा ने मिडिया को बताया कि कोरोना संक्रमण बढ़ते प्रभाव देखते हुए पुलिस और प्रशासन लोगों को रोको टोको अभियान के तहत जागरूक कर रही हैऔर साथ ही साथ मुनादी भी कराई जा रही है। लोगों को भी जागरुक होना होगा।

पक्षियो को अपने अपने घरों पर रखें दाना पानी : संजय रावत

बेटी क्लब दतिया द्वारा चलाए जा रहे पक्षियों को रखो दाना पानी अभियान के तहत जिले के साथ-साथ अन्य जिलों के लोग जागरूक होकर अपने अपने घरों की छतों पर पक्षियों को दाना पानी रखकर अभियान को सफल बना रहे हैं बेटी क्लब दतिया के संयोजक एवं पर्यावरण मित्र संजय रावत ने पक्षियों को दाना पानी रखते हुए बताया कि पक्षियो का कलरण संगीत की वानगी है उनकी चहचहाट से बाग बगीचे उपवन घरों की छतों पर खुशिया तैरती है छत की मुडेर पर कौआ हो तो मेहमान आने की बात दादी करती थी मिठठू के राम राम कहते ही मन हर्षित हो जाता है आज शहर के विभिन्न लोगों ने समाज सेवियो ने पक्षियो के लिए पानी के बर्तन रखे व उसमे नियमित पानी भरने का संकल्प लिया है गौरतलब है कि इस अभियान में पन्ना के समाजसेवी सदानंद पाठक एवं दतिया के मनमोहन तिवारी, विनोद पुरोहित, संजय रावत, रामस्वरूप साहू, राकेश सोनी, ने अपने अपने प्रगण घरों मे पानी के कई बर्तन पक्षियो के लिए रखे और दूसरों के लिए प्रेरणास्त्रोत कार्य कर रहे हैं इस अवसर पर संजय रावत ने बताया कि पेरिस मे आयोजित वल्ड ग्लोबल वामिग मीट की रिपोट 2017 के अनुसार बदलते जलवायु और उसके हो रहे प्रभाव से पक्षियो की कई प्रजातिया विलुप्त होती जा रही है और प्रजातियो के विलुपत होने के कारण पानी की कमी बताया जा रहा है इसी के साथ घातक रेडिएशन भी उन्हें पृथ्वी से एक्सटिवट कर रहा है और अगर हम न चेते तों हमारी अगली पीढी इन्हे देख भी नही पाएगी पक्षियो को विलुपत होने से बचाने और तपती गमी मे उनकी प्यास बुझाने के लिया बेटी क्लब दतिया के साथ जिले के समाजसेवियों ने एक कदम बढ़ाया है ओर इसमे बह और लोगो को भी जागरूक भी कर रहे हैं इस मुहिम मे सतानन्द पाठक पन्ना श्रीमती आकांक्षा रावत शिक्षिका रामस्वरूप साहू विनोद पुरोहित मनमोहन तिवारी मोहिनी सक्सेना मीना श्रीवास्तव सुषमा श्रीवास्तव राकेश सोनी संजय रावत राजेश्वरी साहू अरविंद श्रीवास्तव मंगल सिंह परमार अशोक श्रीवास्तव आदि लोग अभियान से जुड़ चुके हैं इस अवसर पर बेटी क्लब दतिया की अध्यक्ष श्रीमती आकांक्षा रावत जिले के सभी सम्मानीय लोगों से अपील करते हुए कहा कि आप सभी लोग इस अभियान से जुड़े पशु पक्षियों के लिए दाना पानी का कर पुण्य कार्य में भागीदारी करें

जय ऑफसेट प्रेस

फ्लैक्स बैनर, कलर पोस्टर, स्टीकर, विजिटिंग कार्ड शादी कार्ड, कैलेन्डर, कलर ब्लैक एण्ड व्हाईट न्यूज पेपर मैग्जीन एवं चुनाव सामग्री इत्यादि की प्रिंटिंग हेतु सम्पर्क करें।

ठाकुर दास प्रजापति

संचालक

मो. 6393149766, 8005203626

पता - दीनदयाल मार्केट, सैंयर गेट रोड, मिनर्वा चौराहा, झाँसी

मुद्रक,प्रकाशक,संपादक ठाकुर दास प्रजापति द्वारा जयऑफसेट प्रेस दीनदयाल मार्केट मिनर्वा चौराहा झांसी से मुद्रित एवं 469 नई बस्ती झाँसी से प्रकाशित संपादक ठाकुरदास प्रजापति पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिम्मेदार सभी विवादों का न्याय क्षेत्र झाँसी न्यायालय के अधीन होगा। रजिस्ट्रेशन नं. यूपी एचआईएन /2015/ 64 737 फोन न. 6393149766,8005203626